कारगिल विजय के 25 साल

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

कारगिल विजय दिवस

वर्ष : 26 | अंक : 214 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शुक्रवार, 26 जुलाई, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

अग्निपथ का लक्ष्य सेना को युवा बनाना : प्रधानमंत्री

द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक पर शहीदों को अर्पित की श्रद्धांजलि

लेह लद्दाख (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच हुए कारगिल युद्ध को आज 25 वर्ष पूरे हो गए हैं। कारगिल विजय दिवस के मौके पर देश भर में कारगिल में शहीद हुए वीर सैनिकों को याद किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक पर कारगिल युद्ध के नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। 26 जुलाई 1999 को भारत ने कारगिल युद्ध में विजय हासिल की थी। हर साल इस दिन को कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर कहा कि आज लद्दाख की ये महान भूमि कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ की गवाह बन रही है। कारगिल विजय दिवस हमें बताता है कि राष्ट्र के लिए दिए गए बलिदान अमर हैं। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे याद है कि किस तरह हमारी सेनाओं ने इतनी ऊंचाई पर, इतने कठिन युद्ध ऑपरेशन को अंजाम दिया था। मैं देश को विजय दिलाने वाले ऐसे सभी शूरवीरों को आदरपूर्वक प्रणाम करता हूं। मैं उन शहीदों को नमन करता हूं, जिन्होंने कारगिल में मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

कारगिल विजय दिवस बताता है कि देश की रक्षा के लिए जान की बाजी लगाने वालों के नाम अमिट रहते हैं। ये देश उनके लिए कृतज्ञ है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

आज देश की सीमाएं सुरक्षित हैं : मुख्यमंत्री

कारगिल विजय दिवस पर लखनऊ में मनाया रजत जयंती समारोह

लखनऊ (एजेंसी)। 25वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर लखनऊ में भी कार्यक्रम हुआ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सेंट्रल कमांड, कैंट के सूर्या सभागार में कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर आयोजित 'रजत जयंती समारोह' को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कारगिल विजय दिवस की बधाई देते हुए कहा कि जिन वीर नारियों और परिवारों ने कारगिल युद्ध में अपने परिवार के सदस्यों को खोया है, आज उन्हें सम्मानित कर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। सीएम योगी ने कहा कि दुनिया के अंदर भारत की पहचान जबरन एकाधिकार करने वाले देश की नहीं है।

सीएम योगी ने कहा कि शस्त्रेण रक्षिते राष्ट्रे शास्त्रचिंता प्रवृत्तते यह भारत की परंपरा है। उन्होंने कहा कि बल, बुद्धि और विद्या में भारत जब दुनिया के अंदर जब सिरमौर था, तब भी हमने किसी पर आक्रमण नहीं किया। परंतु किसी आक्रांता ने यहां आकर हमारी शांति और हमारी सद्भावना के हनन का दुस्साहस किया तो भारत माता के बहादुर जवानों ने मातृभूमि के रक्षा करने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। सीएम योगी ने कहा कि देश की सीमा की रक्षा करने वाले बहादुर जवानों के साथ राज्य सरकार हमेशा खड़ी है। सीएम योगी ने कहा कि (शेष पृष्ठ-3 पर)

पत्नी के मोबाइल पर अश्लील चैट, वीडियो देखने से उड़े होश, पति ने की आत्महत्या

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में एक नवविवाहिता के मोबाइल फोन पर उसके पति ने जब अश्लील चैट, वीडियो फोटो और ओयो होटल में दूसरे लड़कों के साथ अश्लील स्थिति में तस्वीरें देखीं तो उसके होश उड़ गए। पत्नी को ऐसे रंग में देखने के बाद मानसिक तनाव में आए पति ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

थाना सूरजपुर क्षेत्र के ग्राम श्योराजपुर निवासी लक्ष्मण (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उन्होंने अपने बेटे राजू (काल्पनिक नाम) की शादी 12 मार्च को घिटोरनी दिल्ली निवासी पूजा (काल्पनिक नाम) के साथ की थी शादी के बाद से ही पूजा का उनके बेटे वह परिजनों के प्रति

व्यवहार अच्छा नहीं रहा। वह हर वक्त मोबाइल पर अनजान लोगों से बातें करती रहती थी। पूजा का मोबाइल फोन हैंग हो गया था जिसे सही कराने के लिए उसने राजू को दिया। राजू ने पूजा के मोबाइल फोन में ओयो होटल में अन्य लड़कों के साथ अश्लील फोटो व वीडियो देखें। इस पर राजू ने अपनी पत्नी से इस बारे में बात की तो उसने अपने बॉयफ्रेंड व अन्य युवकों के साथ चैट करने तथा अश्लील वीडियो फोटो की बात स्वीकार की। इसके बाद उनका बेटा गुमसुम रहने लगा। उन्होंने जब इसका कारण पूछा तो राजू ने सभी बातें परिजनों को बता दी। इस पर उन्होंने अपनी बहू को समझने का प्रयास किया तो वह भड़क गई और उसके बेटे को रोज ताना मारने लगी कि तू मर क्यों नहीं जाते हो। पूजा हर रोज उसके बेटे के सामने ही वीडियो कॉल पर अपने दोस्तों से बात करती थी जिससे उनका बेटा परेशान रहने लगा। परेशान होकर राजू ने एक दिन उनसे कहा कि अगर यही हालात रहे तो वह आत्महत्या कर लेगा। बेटे के मानसिक रूप से परेशान रहने पर उन्होंने पूजा के मामा रवि, उसके चाचा सतीश मां बाला आदि को (शेष पृष्ठ-3 पर)

ओप्पो कंपनी पर ठेकेदार का करोड़ों रुपया बकाया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कंपनी का कंस्ट्रक्शन कार्य पूरा करने के बाद ठेकेदार को करोड़ों रुपए का भुगतान नहीं किया गया। पैसे मांगने पर ठेकेदार का अपहरण करने तथा जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित ठेकेदार का थाना कासना में मुकदमा दर्ज कराया है। वसुंधरा गाजियाबाद निवासी अरुण कुमार सिंह ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह पुकार इंजीनियर एंड कंस्ट्रक्ट का प्रोपराइटर है। उसके कंपनी ने गुजरात की इवांग लॉजिस्टिक्स एंड ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड के साथ कंस्ट्रक्शन कार्य के लिए एग्रीमेंट किया। एग्रीमेंट के तहत कंपनी के लोकल एरिया ऑफिस स्थित ओप्पो कंपनी में विभिन्न जगहों पर कार्य किया गया था। 21 अक्टूबर 2020 से 21 मार्च 2023 तक उनकी कंपनी द्वारा कार्य किया गया। उनके कंपनी ने 3 करोड़ 12 लाख 84 हजार रुपए का काम किया। इसकी एवज में उन्हें 19416171 रुपए (शेष पृष्ठ-3 पर)

सांड से टकराया बाइक सवार, हुई दर्दनाक मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दनकौर क्षेत्र के बांजरपुर गांव के पास बीती रात्रि बाइक पर आ रहा है एक युवक सांड से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया। ग्राम बीचक थाना ककोड निवासी (35 वर्षीय) रिंकू भाटी उर्फ सत्येंद्र पुत्र रतनपाल बीती रात्रि अपनी बाइक से घर जा रहा था। बांजरपुर गांव के पास रिंकू भाटी की बाइक के सामने अचानक एक सांड आ गया। तेज गति में होने के कारण रिंकू बाइक से नियंत्रण खो बैठा और सांड से टकरा गया। इस दुर्घटना में रिंकू भाटी गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने

इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल रिंकू भाटी को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया जहां उसने दम तोड़ दिया। रिंकू भाटी की मौत की सूचना मिलने पर उसके परिवार व गांव में मातम छा गया। थाना दनकौर प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

दो भाईयों पर पीजी संचालक ने की फायरिंग

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के अल्फा-2 सेक्टर में घर के बाहर खड़े होकर बिजली ठीक कर रहे दो भाइयों पर पीजी संचालक व उसके साथियों ने हमला कर मारपीट की। पीड़ितों का आरोप है कि पीजी संचालक ने जान से मारने की नीयत से उन पर तमंचे से गोली भी चलाई। पीड़ितों की शिकायत पर थाना बीटा-2 पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

सेक्टर अल्फा-2 एफ ब्लॉक में रहने वाले अचल शर्मा ने बताया कि वह 24 जुलाई की रात्रि को अपने भाई ऋषभ शर्मा के साथ घर के बाहर खड़े होकर एनपीसीएल के कर्मचारियों से अपने घर की बिजली ठीक करा रहे थे। इस

दौरान घर के सामने पीजी चलाने वाले नकुल, दीपा, रोबिन व अन्य लोग उनके पास पहुंचे और गाली गलौज शुरू कर दी। नकुल ने कहा कि वह उनकी पीजी के बारे में बहुत शिकायत करते हैं, इसलिए आज उन्हें शिकायत करने का मजा चखाया जाएगा। इसके बाद सभी आरोपी उन पर टूट पड़े और मारपीट करने लगे। आरोपियों में दो लोगों के हाथ में तमंचे थे। उन्होंने जब मारपीट का विरोध किया तो आरोपियों ने दोनों भाइयों पर जान से मारने (शेष पृष्ठ-3 पर)

महिला को बातों में फंसाकर उतरवाये सोने के जेवरात

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र के ग्रेटर नोएडा वेस्ट की महागुन मायवुड सोसाइटी में रहने वाली एक महिला को दो लोगों ने सम्मोहित कर उसके सोने के जेवरात उतरवा लिए। जेवरात लेकर दोनों युवक महिला को बेसुध अवस्था में पार्किंग में छोड़कर फरार हो गए। महागुन मायवुड सोसाइटी में रहने वाली रेखा ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह 23 जुलाई की शाम को किसी काम से सोसायटी से बाहर निकली थी। सोसायटी से बाहर निकलते ही उसे दो लोगों ने पता पूछने के बहाने रोक लिया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

जिला बदर बदमाश ने किशोरी से किया बलात्कार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना एक्सप्रेस में पुलिस द्वारा जिला बदर किया गया बदमाश थाना क्षेत्र से एक किशोरी को बहला फुसलाकर भाग ले गया और उसके साथ बलात्कार किया। आरोपी के खिलाफ गुंडा अधिनियम के उल्लंघन के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि विशेष न्यायालय अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय गौतमबुद्धनगर द्वारा धारा 2/3 उत्तर प्रदेश गुंडा अधिनियम-1970 में ग्राम छपरौली निवासी बादल पुत्र धर्मवीर को 6 माह के लिए जिला बदर किया गया था। 3 मार्च 2024 को सब इंस्पेक्टर अंजुल कुमार ने बादल को जनपद गौतमबुद्धनगर की सीमा के बाहर छोड़ दिया था। जिला बदर रहते हुए बादल (शेष पृष्ठ-3 पर)

मकान मालिक व परिजनों पर चोरी का आरोप

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा-2 दो में एक महिला ने मकान मालिक व उसके परिजनों पर कमरे से लाखों रुपए के गहने चोरी करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। ग्रेटर नोएडा सेक्टर बीटा-1 ई ब्लॉक में रहने वाली सोनी शर्मा ने दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया कि उसने अपने कमरे की अलमारी के लॉकर में 16 जून 2024 को गहने रखे थे। 30 जून को उसने लॉकर खोला तो उसमें से गहने गायब थे। उसने पड़ोसी के कैमरे की सीसीटीवी फुटेज देखी। फुटेज में (शेष पृष्ठ-3 पर)

स्कूटी में टैंपो ने मारी टक्कर, दंपत्ति व बच्चे घायल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बादलपुर क्षेत्र के सहारा सिटी के पास जीटी रोड पर छोटा हाथी टेंपो ने एक्टिवा स्कूटी में टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में स्कूटी सवार दो बच्चे सहित चार लोग घायल हो गए। गिरधरपुर एनसीआर सिटी कॉलोनी में रहने वाले आशुतोष मिश्रा ने पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 12 जुलाई को उसका भाई आदित्य मिश्रा उसकी पत्नी नम्रता मिश्रा व दो बेटियां अवंतिका मिश्रा (6 वर्ष) तथा अनिवता मिश्रा को स्कूटी से लेकर केआरबी दा स्कूल जा रहा था। जीटी रोड पर सहारा सिटी के सामने तेज (शेष पृष्ठ-3 पर)

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs CCTV Controlled Environment Activity Based Learning
Well Equipped Library GPS Enable Buses

गंगा स्नान कर लौट रहे दो युवकों को मारी टक्कर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर अज्ञात वाहन ने बुलेट मोटर साइकिल में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक घायल हो गए। दोनों युवक हरिद्वार से गंगा स्नान कर वापस अपने घर लौट रहे थे। इस संबंध में थाना दनकौर में मुकदमा दर्ज कराया गया है। ग्राम पीपाला थाना औरंगाबाद बुलंदशहर निवासी अनुराधा ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसके पति मोहित हरियाणा के मुजेसर कस्बे में अंग्रेजी वाइन शॉप पर नौकरी करते हैं। (शेष पृष्ठ-3 पर)

मोबाइल चोरी करते पकड़ा, फिर लगाई पिटाई

नोएडा (चेतना मंच)। भूढ़ा गांव में एक मकान से मोबाइल फोन चोरी कर भाग रहे चोर को गृह स्वामी ने दबोच लिया। चोर की पिटाई करने के बाद उसे थाना सेक्टर-39 पुलिस के हवाले कर दिया गया। मूल रूप से सीतापुर निवासी बाल गोविंद हाल में भूढ़ा गांव में किराए पर रह रहे हैं। रात्रि के समय वह छत से नीचे आए तो उन्हें एक व्यक्ति कमरे से मोबाइल फोन ले जाता हुआ दिखाई दिया। उन्होंने शोर मचाकर आरोपी को मौके पर दबोच लिया। शोर-शराब सुनकर आस-पड़ोस में रहने वाले लोग भी मौके पर आ गए और चोर की पिटाई की। पूछताछ में चोर ने अपना नाम अंकित बताया। आरोपी के पास से कमरे से (शेष पृष्ठ-3 पर)

गाजियाबाद के निवासी का भवन फर्जी कागजात लगाकर बेचा

ग्रेटर नोएडा में सक्रिय जालसाजों का बड़ा रैकेट

- ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण, रजिस्ट्री विभाग के कुछ कर्मचारियों की जालसाजों से सांठगांठ

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गाजियाबाद के वसुंधरा निवासी एक व्यक्ति के प्लॉट को जालसाजों ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए बेच दिया। पीड़ित ने सब रजिस्टर कार्यालय ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कई लोगों के खिलाफ थाना बीटा-2 में मुकदमा दर्ज कराया है।

वसुंधरा गाजियाबाद निवासी ओम प्रकाश ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसने 29 मार्च 2006 में मेरठ निवासी सतीश गुप्ता से ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-पी-3 में एक प्लॉट खरीदा था। प्राधिकरण से रजिस्ट्री कराने के उपरांत उन्होंने प्लॉट पर देखने के लिए कुछ मजदूर छोड़ दिए। कुछ समय पूर्व उन्हें पैसों की जरूरत पड़ी तो उन्होंने अपने भवन पर बैंक लोन लेने के लिए आवेदन किया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

लखनऊवासी को प्रोपर्टी डीलर ने जाल में फंसाया, लाखों रुपये हड़पे

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-46 स्थित गार्डेनिया सोसायटी में फ्लैट दिलाने का झांसा देकर प्रॉपर्टी डीलर ने लखनऊ निवासी एक व्यक्ति से 33 लाख रुपए हड़प लिए। पीड़ित ने फ्लैट ना मिलने पर जब अपने पैसे वापस मांगे तो प्रॉपर्टी डीलर ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने प्रॉपर्टी डीलर के खिलाफ थाना सेक्टर-39 में मुकदमा दर्ज कराया है।

लखनऊ के विनीत खंड गोमतीनगर निवासी ओम प्रकाश राय ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि उसे एक फ्लैट की आवश्यकता थी। फ्लैट खरीदने के लिए उसने ग्राम इमलिया थाना कासना निवासी प्रॉपर्टी डीलर श्याम सिंह नागर से संपर्क किया। श्याम सिंह नागर ने उसे किफायती दर पर फ्लैट दिलाने का विश्वास दिलाया और सेक्टर-46 की गार्डेनिया सोसाइटी में एक 2 BHK का फ्लैट दिखाया। श्याम सिंह नागर ने बताया (शेष पृष्ठ-3 पर)

महिला की कार में मारी टक्कर

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सेक्टर-108 स्थित पार्क लोरिटे सोसायटी के सामने शराब के नशे में होंडा अमेज कार के चालक ने दूसरी कार में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कार क्षतिग्रस्त हो गई। इस हादसे में महिला व उसका बच्चा बाल-बाल बचे। डिवाइन मीडोज सोसाइटी में रहने वाली अर्चना शर्मा ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह 24 जुलाई को अपने छोटे बच्चों के साथ कार से जा रही थी। सेक्टर-108 के सामने तेज गति में आ रही होंडा अमेज कार ने उनकी कार में टक्कर मार दी। इस हादसे में उनकी कार क्षतिग्रस्त हो गई और वह बाल-बाल बच गई। (शेष पृष्ठ-3 पर)

सत्र 2024 -2025 के लिए एडमिशन प्रक्रिया शुरू
स्कूल कोड 09100110910
सरस्वती ग्लोबल स्कूल
सेक्टर 22 नोएडा
NOIDA FLOWER SHOW
फ़ोन .08750611103

युवाओं पर फोकस

बजट का सबसे महत्वपूर्ण और आकर्षक प्रस्ताव है-युवाओं की इंटर्नशिप। यह एक व्यापक वोट बैंक भी साबित हो सकता है। यह ऐसा प्रशिक्षण भी साबित हो सकता है, जिससे बेरोजगारी कम होने लगे, लिहाजा रोजगार बढ़ता जाए। इस परियोजना के तहत भारत सरकार 500 बड़ी कंपनियों को छांटेगी। पांच साल के दौरान 4.10 करोड़ युवाओं को रोजगार देने का वायदा किया गया है। कंपनियां हर साल 20 लाख युवाओं का कौशल विकसित करेंगी। इस तरह 5 साल के दौरान कुल एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के जरिए हुनरमंद किया जाएगा। इंटर्नशिप के दौरान कंपनियां 5000 रुपए प्रति माह का भत्ता देंगी और एकमुश्त 6000 रुपए भी देंगी। बजट में इस कार्यक्रम के लिए 2 लाख करोड़ रुपए का आवंटन रखा गया है। बेरोजगारी से लडने और निरंतर रोजगार-सृजन की यह महत्वपूर्ण परियोजना बताई जा रही है। बेरोजगारी सबसे अहम समस्या और चुनौती है, यह आम चुनाव के जनादेश से स्पष्ट हो चुका है। भाजपा को इस बार अकेले ही स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं हुआ है। केंद्र में गठबंधन सरकार जारी है। बहरहाल इंटर्नशिप की पात्रता आयु 21-24 साल है। कई और शर्तें लगाई गई हैं, जो व्यावहारिक नहीं हैं। उनके कारण बेरोजगारी उन्मूलन का लक्ष्य अधूरा ही रह सकता है। पहला यथार्थ तब सामने आएगा, जब 500 कंपनियों के नाम सार्वजनिक किए जाएंगे। वे कंपनियां किन क्षेत्रों में परचम लहरा रही हैं और अच्छी तरह स्थापित हैं, यह खुलासा भी देश के सामने आना चाहिए। इंटर्नशिप के लिए युवाओं का चयन किस तरह होता है, यह भी गौरतलब होगा। इंटर्नशिप का पहला चरण दो साल का है। यह भी सवाल है कि क्या युवाओं की निरंतरता बनी रहेगी? दूसरा यथार्थ तब सामने आएगा, जब युवा किसी रोजगार का अनुभव तो हासिल कर लेंगे, लेकिन क्या वही कंपनियां उन्हें नौकरी देंगी? सरकार के सामने यह गंभीर चुनौती रही है कि श्रम-गहन क्षेत्रों में निजी निवेश बढ़ नहीं पा रहा है। दरअसल कंपनियों की ऐसे क्षेत्रों में निवेश की दिलचस्पी ही कम है, लिहाजा नए श्रम की भीड़ बढ़ाने के मद्देनजर कंपनियां नए, हुनरमंद युवाओं को नौकरी क्यों देंगी? कुछ अपवाद हो सकते हैं। बजट में दावा किया गया है कि 2 करोड़ को पहली नौकरी पर सरकार सीधी मदद देगी और युवा के आनंद को साझा करेगी। इस योजना से कर्मचारी भविष्य निधि संगठन को जोड़ा गया है। बजट का फोकस गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी यानी 'ज्ञान' पर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने आम चुनाव के दौरान इन चार वर्गों को ही चिह्नित किया था। उन्हें ही अपनी चार जातियां बताया था। बजट में युवाओं के रोजगार के लिए सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को 100 करोड़ रुपए तक का कर्ज देने की गारंटी सरकार ने दी है। एमएसएमई में अभी 11.10 करोड़ लोग जुड़े हैं। सरकार ने 2025 तक इनमें 5 करोड़ रोजगार जोडने का लक्ष्य रखा है। सवाल फिर दोहरा रहे हैं कि ये रोजगार कारोबारी होंगे अथवा नौकरी के रूप में दिए जाएंगे! इनके अलावा, आधारभूत ढांचे पर बजट में 11.11 लाख करोड़ रुपए के आवंटन का प्रस्ताव है। सरकार का लक्ष्य है कि विभिन्न निर्माण-कार्य होंगे, तो रोजगार का विस्तार भी होगा। ऐसे इंटर्नशिप कार्यक्रम अमरीका, ब्रिटेन, कनाडा सरीखे विकसित देशों में भी चलाए जा रहे हैं। दरअसल सरकार कोई भी हो, कल्याणकारी परियोजनाओं और सबसिडी मुहैया करा कर भी रोजगार नहीं दे सकती। बेरोजगारी की चुनौती से नहीं लड़ सकती। सरकार को एहसास हो रहा है कि बेरोजगारी को संबोधित करने के लिए उसके पास पर्याप्त संसाधन नहीं हैं, लिहाजा इस अभियान में निजी क्षेत्र को जोड़ा जा रहा है। सरकार के आग्रह पर रोजगार और नौकरियां निजी क्षेत्र पैदा करेंगे। बदले में सरकार नियोक्ताओं को सबसिडी देगी। प्रधानमंत्री मोदी की 9 प्राथमिकताएं बजट के लिए तय की गई हैं। मसलन-मैन्यूफैक्चरिंग, सेवा क्षेत्र, रोजगार, कौशल विकास, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, आधारभूत ढांचा, सामाजिक न्याय आदि। रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए इन सभी क्षेत्रों को अच्छा-खासा बजट आवंटित किया गया है। मुद्रा लोन की सीमा भी 10 लाख से बढ़ा कर 20 लाख रुपए कर दी गई है। उसका लक्ष्य भी युवा केंद्रित है। अब यह बजट लागू होने के बाद देखना होगा कि बेरोजगारी की इंटर्नशिप कितनी कारगर साबित होती है। हालांकि यह बात समझी जानी चाहिए कि सभी बेरोजगारों को सरकारी नौकरियां नहीं दी जा सकती। युवाओं के लिए निजी क्षेत्र में भी अवसर टटोलने होंगे। निजी क्षेत्र के बिना बेरोजगारी की समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि कलियुग में न कर्म है, न भक्ति है और न ज्ञान ही है, राम नाम ही एक आधार है। कपट की खान कलियुग रूपी कालनेमि के (मारने के) लिए राम नाम ही बुद्धिमान और समर्थ श्री हनुमानजी हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0-राम नाम नरकेसरी कनककसिपु कलिकाल।
जापक जन प्रहलाद जिमि पालिहि दलि सुरसाल॥

राम नाम श्री नृसिंह भगवान है, कलियुग हिरण्यकशिपु है और जप करने वाले जन प्रह्लाद के समान हैं, यह राम नाम देवताओं के शत्रु (कलियुग रूपी दैत्य) को मारकर जप करने वालों की रक्षा करेगा॥

भायँ कुभायँ अनख आलस हूँ। नाम जपत मंगल दिसि दसहूँ॥
सुमिरि सो नाम राम गुन गाथा। करउँ नाइ रघुनाथहि माथा॥

अच्छे भाव (प्रेम) से, बुरे भाव (बैर) से, क्रोध से या आलस्य से, किसी तरह से भी नाम जपने से दसों दिशाओं में कल्याण होता है। उसी (परम कल्याणकारी) राम नाम का स्मरण करके और श्री रघुनाथजी को मस्तक नवाकर मैं रामजी के गुणों का वर्णन करता हूँ॥

मोरि सुधारिहि सो सब भाँती। जासु कृपा नहिं कृपाँ अघाती॥
राम सुस्वामि कुसेवकु मोसो। निज दिसि देखि दयानिधि पोसो॥

वे (श्री रामजी) मेरी (बिगड़ी) सब तरह से सुधार लेंगे, जिनकी कृपा कृपा करने से नहीं अघाती। राम से उत्तम स्वामी और मुझ सरीखा बुरा सेवक! इतने पर भी उन दयानिधि ने अपनी ओर देखकर मेरा पालन किया है॥ (क्रमशः..)

विपक्ष की मुस्लिमों के प्रति अंधश्रद्धा से भाजपा बनी मजबूत

मुस्लिम वोटों के लिए विपक्षी नेता किसी भी हद तक जा सकते हैं। विपक्षी दलों को लगना चाहिए कि हितेषी बनने का दिखावा करने मात्र से मुस्लिम वोटों को बटोरा जा सकता है। इसके बाद इन दलों मे आपस में ही सच्चा हितेषी साबित करने की प्रतिस्पर्धा हो जाती है। वोटों की खातिर मुस्लिमों के प्रति इस अंधश्रद्धा का ही परिणाम है कि इसके प्रतिक्रियास्वरूप भाजपा ने न सिर्फ राष्ट्रीय पर संगठन की मजबूत पकड़ बना ली, बल्कि लगातार तीसरी बार केंद्र में सत्ता में भी आ गई। हालांकि इसमें काफी हद तक केंद्र सरकार के विकास कार्य भी शामिल हैं।

मुस्लिमों का हितेषी बनने का नया मामला बांग्लादेश का है। पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि हिंसा प्रभावित बांग्लादेश के संकटग्रस्त लोगों के लिए पश्चिम बंगाल के दरवाजे खुले रखेंगी और उन्हें आश्रय देंगी। आश्चर्य की बात यह है कि यह मुद्दा मुख्यमंत्री ममता के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। यह विदेश मंत्रालय के अधीन आता है। विदेश मंत्रालय केंद्र सरकार के अधीन काम करता है। यह जानते हुए भी ममता ने मुस्लिम वोट बैंक पर पकड़ बनाए रखने के लिए ऐसा बयान दिया। इससे पहले भी ममता बनर्जी सरेआम मुस्लिमों का पक्ष लेती रही हैं। इसके लिए बेशक कानून की मंजूरी हो या नहीं। बर्मा के रोहिंग्या शरणार्थियों का मसला भी केंद्र सरकार के अधीन था। केंद्र सरकार ही तय कर सकती है कि भारत में किसे शरण देनी और किसे नहीं।

रोहिंग्या शरणार्थी संकट पर केंद्र के दृष्टिकोण का विरोध करते हुए ममता ने कहा था कि सभी आम लोग आतंकवादी नहीं हैं और उन्होंने समुदाय का समर्थन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। गौरतलब है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा 40,000 रोहिंग्या शरणार्थियों को निर्वासित करने की योजना बनाई थी। ममता बनर्जी की शह पाकर कई मुस्लिम संगठनों से जुड़े हजारों प्रदर्शनकारियों ने कोलकाता में रैली निकाली और प्रधानमंत्री मोदी की निर्वासन योजना का विरोध किया तथा रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए भारत में आश्रय की मांग की। यह मुद्दा मुस्लिमों के वोट बैंक से जुड़ा हुआ था। इसमें दूसरे विपक्षी दल भी कूद गए। मुस्लिमों के मामले में सभी विपक्षी दलों को लगता है कि कहीं दूसरा दल वोट बैंक का ज्यादा हिस्सा नहीं ले जाए, इसी वजह मुद्दा चाहे राज्यों का हो या फिर केंद्र सरकार से जुड़ा हो, बहती गंगा में हाथ धोने से कोई पीछे नहीं रहना चाहता।

मुस्लिमों का हितेषी बनने का नया मामला बांग्लादेश का है। पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि हिंसा प्रभावित बांग्लादेश के संकटग्रस्त लोगों के लिए पश्चिम बंगाल के दरवाजे खुले रखेंगी और उन्हें आश्रय देंगी।

मुस्लिम वोट की खातिर ममता किसी भी हद से गुजरने को तैयार रहती हैं। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के इमाम और मुआज्जिम को लेकर बुलाई कॉन्फ्रेंस पर भी राजनीतिक घमासान छिड़ गया था। विरोधी पार्टियों ने इस कॉन्फ्रेंस के मद्देनजर ममता पर खुलकर तुष्टिकरण और वोट की राजनीति का आरोप लगा दिए। समूचे बंगाल के इमाम और मुआज्जिम इसमें शामिल होने के लिए हजारों की संख्या में कोलकाता पहुंचे थे। गठबंधन की सहभागी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने ममता बनर्जी पर जमकर हमला बोलते हुए ममता से मुसलमानों के समग्र विकास के लिए श्वेतपत्र जारी करने की मांग कर दी। कांग्रेस नेता ने मुख्यमंत्री ममता से सवाल पूछते हुए कहा कि ममता बनर्जी को श्वेत पत्र देकर बताना चाहिए कि वक्फ संपत्ति को बेचकर कितने प्रमोटर करोड़पति हो गए और इनमें से कितने आपकी पार्टी के हैं। मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति में ममता बनर्जी कानून को भी ठेंगा दिखाने में पीछे नहीं रही। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने तृणमूल कांग्रेस शासन के तहत 2011 से बंगाल में जारी किए गए अन्य पिछड़ा वर्ग के सभी प्रमाण-पत्रों को अवैध बताते हुए रद्द कर दिया। इसमें 80 प्रतिशत से ज्यादा मुस्लिम समुदाय को इस आरक्षण का फायदा मिल रहा था। न्यायालय के इस निर्णय पर ममता बुरी तरह भड़क गई। उच्च न्यायालय के विशिष्ट न्यायाधीशों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने यहां तक कह डाला था कि एक न्यायाधीश कह रहा है मैं आरएसएस का व्यक्ति हूं, दूसरा भाजपा में शामिल हो गया... आप इस तरह से न्यायाधीश कैसे हो सकते हैं और अदालतों की अध्यक्षता कैसे कर सकते हैं? इतना ही नहीं ममता सरकार को संदेशखाली में महिलाओं के यौन शोषण और जमीन हथियाने व राशन घोटाले से जुड़े सभी मामलों में अभियुक्तों को बचाने के लिए पुरजोर पैरवी की।

सुप्रीम कोर्ट ने ममता सरकार के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा था कि सरकार किसी शख्स को बचाने की कोशिश क्यों कर रही है। गौरतलब है कि ईडी अधिकारी तृणमूल कांग्रेस के निलंबित नेता शाहजहां शेख के यहां छापा मारने गए थे, जहां उन पर हमला किया गया था। ममता बनर्जी ही नहीं मुस्लिम वोट बैंक की खातिर अपराधी, आतंकी और देश विरोधी बयान देने वालों को गले लगाने के लिए राजनीतिक न सिर्फ आतुर रहते हैं बल्कि आपस में प्रतिस्पर्धा भी करते हैं। उत्तर प्रदेश में समाजवादी और बहुजन समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान मुस्लिम माफियाओं ओर अपराधियों को भरपूर संरक्षण दिया गया। माफिया अतीक अहमद और मुख्तार अंसारी की मौत पर सपा अध्यक्ष ने खूब घडियाली आसू बहाए थे। दरअसल भाजपा के बढ़ते प्रभाव के कारण क्षेत्रीय दलों के पास वोट बैंक बनाने के अवसर सीमित हो गए हैं। यही वजह है कि मुस्लिम वोट बैंक में ज्यादा हिस्सा बटोरने के लिए सही-गलत की विवेचना किए बगैर विपक्षी दल मुस्लिमों के समर्थन के लिए हर तरह के हथकंडे अपनाने से बाज नहीं आते।

-योगेन्द्र योगी

प्रतिबंध मुक्त संघ एक नयी किरण का आगाज

केन्द्र की राजग सरकार ने एक महत्वपूर्ण एवं साहसिक आदेश के जरिये सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की गतिविधियों में शामिल होने पर लगी रोक को हटा कर लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक भावना एवं मूल्यों का जीवंत किया है। भले ही इस आदेश को लेकर विपक्षी राजनीतिक दलों की तल्ख प्रतिक्रिया सामने आ रही है। वहीं संघ ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा है कि तत्कालीन सरकार ने निराधार ही शासकीय कर्मियों के संघ की गतिविधियों में भाग लेने पर रोक लगायी थी। निश्चित ही वर्तमान सरकार का यह निर्णय लोकतांत्रिक व्यवस्था को पुष्ट करने वाला है क्योंकि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ एक गैर-राजनीतिक संगठन है, गत 99 वर्षों से सतत राष्ट्र के पुनर्निर्माण एवं समाज की सेवा में संलग्न संघ एक रचनात्मक, सृजनात्मक एवं सांस्कृतिक संगठन है। राष्ट्रीय सुरक्षा, एकता-अखंडता एवं प्राकृतिक आपदा के समय में संघ के योगदान की विभिन्न राजनीतिक विचारधारा के नेताओं एवं दलों ने प्रशंसा भी की है। इस नये आदेश को लेकर इंडी गठबंधन के दलों में खलबली एवं बौखलाहट का सामने आना स्वाभाविक है, क्योंकि इस आदेश से संघ की ताकत बढ़ेगी, जो इन विपक्षी दलों की चिन्ता का बड़ा कारण है।

दरअसल, आरोप है कि पूर्व की कांग्रेस सरकारों ने समय-समय पर सरकारी कर्मचारियों की संघ के कार्यक्रमों में शामिल होने पर रोक लगा दी थी। संघ की गतिविधियों में शामिल होने पर कर्मचारियों को कड़ी सजा देने तक का प्रावधान लागू किया गया था। सेवानिवृत होने के बाद पेंशन लाभ इत्यादि को ध्यान में रखते हुए भी अनेक सरकारी कर्मचारी चाहते हुए भी संघ की गतिविधियों में शामिल होने से बचते थे। हालांकि, इस बीच मध्यप्रदेश सहित कई राज्य सरकारों ने इस आदेश को निरस्त कर दिया था, लेकिन इसके बाद भी केंद्र सरकार के स्तर पर यह वैध बना हुआ था। इस मामले में एक वाद इंदौर की अदालत में चल रहा था, जिस पर अदालत ने केंद्र सरकार से सफाई मांगी थी। इसी पर कार्रवाई करते हुए केंद्र सरकार ने नौ जुलाई को एक ऑर्डर जारी करते हुए उक्त प्रतिबंधों को समाप्त करने की घोषणा कर दी। निश्चित ही यह आदेश संघ से जुड़े एवं राष्ट्रीय विचारधारा वाले सरकारी कर्मचारियों के लिये एक नयी किरण है।

आपातकाल में इंदिरा गांधी सरकार की तानाशाही खुलकर सामने दिखी थी, लेकिन उससे पहले भी तानाशाही कदम उठाए जाते रहे थे। दरअसल, 7 नवंबर 1966 को संसद के सामने गोहत्या के खिलाफ एक बड़ा प्रदर्शन हुआ था। 30 नवंबर 1966 को संघ-जनसंघ के प्रभाव से हिलकर इंदिरा गांधी ने सरकारी कर्मचारियों के संघ में शामिल होने पर प्रतिबंध लगा दिया। क्योंकि संघ व जनसंघ के प्रयासों से लाखों लोग जुटे थे और पुलिस के साथ टकराव में कई लोगों की जान गई थी। गोलीबारी में सैंकड़ों निर्दोष साधु-संत मारे गये थे। इस जघन्य हत्याकांड से क्षुब्ध होकर तत्कालीन गृहमंत्री गुलजारी लाल नंदा ने अपना त्यागपत्र दे दिया था। कांग्रेस पार्टी ने 58 साल पहले वर्ष 1966 में संघ पर लगाये गए प्रतिबंध को हटाने के औचित्य पर सवाल उठाए हैं। कहा जा रहा है कि जनसंघ, वाजपेयी सरकार और मोदी सरकार की पिछली एक दशक की सरकार के दौरान भी यह प्रतिबंध नहीं हटाया गया था, फिर अभी हटाने के पीछे गहरी राजनीतिक चाल है। वहीं संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर का कहना है कि संघ पिछले 99 साल से राष्ट्र के सतत निर्माण व समाज सेवा में संलग्न रहा है। अपने राजनीतिक स्वार्थ के चलते तत्कालीन सरकार ने शासकीय कर्मचारियों को संघ जैसे रचनात्मक संगठन की गतिविधियों में भाग लेने हेतु निराधार प्रतिबंधित किया था।

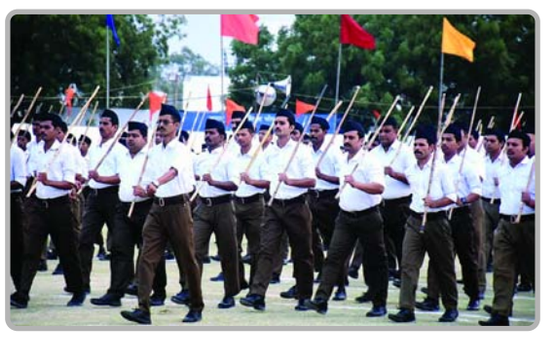

क्रांति का फलित है व्यापक स्तर पर होने वाला कोई बड़ा परिवर्तन। व्यक्ति जिस समाज में जीता है, उसकी व्यवस्थाओं, नीतियों और परम्पराओं में जब घुटन का अनुभव करता है जो वह किसी नए मार्ग का अनुसरण करता है। आज आजादी के बाद की राजनीतिक विसंगतियों से पनपी ऐसी ही घुटन से बाहर निकालने के प्रयत्न वर्तमान सरकार द्वारा हो रहे हैं। ऐसा ही एक विशिष्ट उपक्रम है सरकारी कर्मचारियों के संघ की गतिविधियों में भाग लेने पर लगा प्रतिबंध का हटना। इसको लेकर भी विपक्षी दलों द्वारा जनता को गुमराह किया जा रहा है, राष्ट्र की एकता को विखंडित करने के प्रयास हो रहे हैं। लेकिन केंद्र सरकार ने संघ की गतिविधियों में कर्मचारियों के शामिल होने पर लगे प्रतिबंध को हटाकर नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा की है। नि:संदेह, सरकार का यह निर्णय लोकतंत्र और संविधान की भावना को मजबूत करनेवाला है। भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को यह अधिकार देता है कि वह विविध सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक संगठनों में शामिल हो सके। एक सामान्य नागरिक की भांति यह अधिकार कर्मचारियों को भी प्राप्त है कि अपने कार्यालयीन समय के बाद सामाजिक गतिविधियों का हिस्सा हो सकते हैं। परंतु, लोकतंत्र और संविधान की दुहाई देनेवाली कांग्रेस की सरकार ने तानाशाहीपूर्ण तरीके से संघ की गतिविधियों में सरकारी कर्मचारियों के भाग लेने पर प्रतिबंध लगा दिया था, जो एक प्रकार से राष्ट्रीय विचार के प्रति झुकाव रखनेवाले लोगों को हतोत्साहित करने का प्रयास ही था। कांग्रेस की नीयत को समझिए कि उसने ऐसा कोई प्रतिबंध इस्लामिक, ईसाई, कम्युनिस्ट और अन्य प्रकार के संगठनों की गतिविधियों में शामिल होने पर नहीं लगाया था। यानी कर्मचारी इस्लामिक एवं ईसाई संगठनों से जुड़ सकता था लेकिन हिन्दू संगठन की गतिविधियों में शामिल नहीं हो सकता था। कांग्रेस की इस तानाशाही एवं द्वेष का उत्तर संघ ने तो कभी नहीं दिया लेकिन समाज ने अवश्य ही कांग्रेस को आईना दिखाने का कार्य किया।

कांग्रेस लगातार आठ दशकों में हिन्दू-संस्कृति को कमजोर करने की राजनीतिक चालें चलती रही है। जबकि हिन्दू धर्म नहीं, विचार है, संस्कृति है। हिन्दू राष्ट्र होने का अर्थ धर्म से न होकर हिन्दू संस्कृति के सर्वग्राही भाव से है। हिन्दू संस्कृति उदारता का अन्तर्निहित शंखनाद है क्योंकि पूरे विश्व में यह अकेली संस्कृति है जो बहुविचारवाद यानी सभी धर्म, विचार एवं संस्कृतियों को स्वयं में समेटे हैं। हमारे ऋषियों ने हमें यह उपदेश दिया कि 'सत्यं बूर्यात न बूर्यात सत्यं अप्रियं' अर्थात सच बोलो मगर कड़वा सच मत बोलो। हिन्दू संस्कृति की यही महानता और विशेषता रही है कि प्रिय सत्य की वकालत तो करती है मगर इसके कटु होने पर निषेध करने को भी कहती है। यह हिन्दू संस्कृति अहिंसा की संस्कृति है पर जरूरत पड़ने पर शस्त्र उठाकर स्व-रक्षा की बात भी कहती है। हिन्दू शब्द से ही स्वराष्ट्र का बोध होता है जो कि हिन्दू संस्कृति के वृहद स्वरूप का ही सौपान है। लेकिन राजनीतिक कारणों से कांग्रेस एवं अन्य ताकतों ने हिन्दू संस्कृति को निस्तेज करने, संघ को दबाने एवं समाप्त करने के लिए अनेक प्रयत्न किए। इस आदेश के अतिरिक्त तीन बार संघ पर पूर्ण प्रतिबंध भी लगाया। संघ की छवि खराब करने के लिए बड़े-बड़े नेताओं की ओर से मिथ्या प्रचार भी किया गया। अपने समर्थक बुद्धिजीवियों से पुस्तकें भी लिखवायी गईं। लेकिन निस्वार्थ भाव से देश और समाज के लिए कार्य करनेवाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को कोई रोक नहीं सका।

अपनी 99 वर्ष की यात्रा में संघ ने लगातार प्रगति एवं विस्तार ही किया है। अपने विचार, आचरण एवं सेवाकार्यों से संघ ने समाज का विश्वास जीता, जिसके कारण समाज सदैव संघ के साथ खड़ा रहा। कांग्रेस सरकार का तात्कालिक आदेश भी सरकारी कर्मचारियों को संघ कार्य में सहभागी होने से रोक नहीं सका। कई ऐसे उहाहरण हैं, जिनमें संघ गतिविधि में शामिल होने पर कांग्रेस की सरकारों ने सरकारी कर्मचारी के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की। लेकिन वे सभी मामले न्यायालय में टिक नहीं सके। संघ के स्वयंसेवक न्यायालय से जीतकर आए। उनकी छोटी-छोटी जीतों की श्रृंखला ने भी यह साबित किया कि संघ की गतिविधियों में शामिल होने से रोकने के लिए लगाया गया कांग्रेस सरकार का आदेश निरर्थक और संविधान एवं मौलिक अधिकारों की मूल भावना के विरुद्ध था।

- ललित गर्ग

राशिफल

आषाढ़ शुक्ल पक्ष : पंचमी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
भरपूर शुभता बनी हुई है। स्वास्थ्य बहुत अच्छा है। प्रेम, संतान की स्थिति बहुत अच्छी है। व्यापार भी बहुत अच्छा चल रहा है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
खर्च की अधिकता रहेगी। यद्यपि शुभ कार्यों में खर्च होगा फिर भी थोड़ा मन परेशान रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
रुका हुआ धन वापस मिलेगा। आय के नवीन स्तोत्र बनेंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। यात्रा में लाभ होगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान का साथ होगा। सबकुछ बहुत अच्छा है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। रुका हुआ कार्य चलने लगेगा। भाग्य साथ देगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
परिस्थितियां थोड़ा प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। बचकर पार करें।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी-चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात होगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा। बुजुर्गों का आर्शीवाद मिलेगा। गुण ज्ञान की प्राप्ति होगी।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
विद्यार्थियों के लिए अति उत्तम समय। अच्छा निर्णय लेंगे। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान का साथ है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी संभव है। घर में थोड़ा सा माहौल एग्रेसिव रहेगा। फिर भी बहुत अच्छा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान का साथ है। व्यापार अच्छा है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
धन का आवक बढ़ेगा। कुटुंब में वृद्धि होगी। लक्ष्मी योग का निर्माण हो रहा है। शुभता के प्रतीक बने रहेंगे। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

शिक्षामित्रो ने जिलाधिकारी को दिया ज्ञापन

नोएडा (चेतना मंच)। जिले के शिक्षामित्र ने अपनी मांगों को लेकर कल उप जिलाधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

संघ के जिला अध्यक्ष जगबीर भाटी ने बताया कि पूरे प्रदेश में आज शिक्षामित्र धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। इस प्राथमिक शिक्षा में संघ के प्रदेश महामंत्री सुशील यादव ने बताया कि अगर अगस्त महीने में हमारी मांगों को सरकार पूरा नहीं करती है 5 सितंबर 2024 को प्रदेश भर का शिक्षा मित्रों धरना प्रदर्शन करेगा। शिक्षामित्र की प्रमुख मांगे।

धरने में मानवेंद्र भाटी रविंद्र रोशा, राजीव शर्मा तस्लीम खान नरेश खारी, अजब सिंह संतोष सनोज कुमार डॉक्टर रवि करण आदि ने अपने विचार प्रकट किया। अजब राज, संदीप , राजेश पूनम रेखा गीत कुसुम, निधि, कृष्ण अवतार, कालूराम विनोद रंजीत इंदिरा, तरुण पवार, पचौरी, मंजू मीना, रजनी सहित सैकड़ो शिक्षामित्र ने प्रतिभा किया।

चोरी की स्कूटी के साथ दबोचा

ग्रेटर नोएडा। थाना सूरजपुर पुलिस ने एक बदमाश को चोरी की स्कूटी के साथ गिरफ्तार किया है। बदमाश के पास से एक तमंचा भी बरामद हुआ है। पकड़ा गया बदमाश आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इरादे से घूम रहा था। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि पुलिस टीम को मकोड़ा गोल चक्कर नर्सरी के पास मुखबिर में सूचना दी की चोरी की स्कूटी पर एक बदमाश मिगसन विलास के पास खड़ा हुआ है। सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया। तलाशी में इसके पास से तमंचा बरामद हुआ। पूछताछ में बदमाश ने अपना नाम दीपक सैनी पुत्र भूले राम निवासी ग्राम लालपुर थाना भावनपुर जनपद मेरठ बताया। दीपक सैनी ने स्वीकार किया कि उसके पास से बरामद स्कूटी उसने गाजियाबाद के कविनगर क्षेत्र से मार्च महीने में चोरी की थी।

दबंगई के खिलाफ सभा का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दबंगों पर कार्यवाही की मांग को लेकर यूसुफपुर चक शाहबेरी तिगरी सप्ताहिक बाजार के दुकानदारों ने पथ विक्रेता कर्मकार यूनियन गौतम बुद्ध नगर सीटू के बैनर तले हेबतपुर डबल पुलिया के पास आम सभा का आयोजन किया। सभा को यूनियन के महामंत्री व सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा, सचिव राम स्वारथ, पूर्व जिलाध्यक्ष नरेंद्र पांडे, बाजार कमेटी के नेता आरपी सिंह, उपेंद्र गुप्ता, बच्चू सिंह, राजेश कुमार, शिव प्रसाद, विकास गुप्ता, चंदन, रुदल, राजेश सिंह आदि ने संबोधित किया। साथ ही वेंडर्स ने उन्हें अपनी समस्याओं से अवगत कराया। बैठक की जानकारी देते हुए सीटू नेता गंगेश्वर दत्त शर्माने बताया कि युसूफपुर चक शाहबेरी पर पिछले 18-20, वर्षों से लगातार सप्ताहिक बाजार लगता रहा है अधिकांशत दुकानदार हमारी यूनियन के सदस्य हैं। अभी पिछले कुछ दिनों से हेबतपुर गांव के दो-तीन दबंग लोग वेंडर्स को डरा धमका कर जबरन अवेध वसूली करने का प्रयास कर रहे, अवेध वसूली नहीं देने पर उन्हें जान से मारने, पीटने, बाजार नहीं लगाने देने की धमकी वेंडर्स को दी जा रही है। इसी के विरोध में वेंडर्स ने आज सभा का आयोजन किया और सभा में सर्वसम्मति से फैसला लिया गया किसी को भी अवेध वसूली नहीं करने दी जाएगी और यदि किसी ने जबरन अवेध वसूली करने का प्रयास किया तो एकजुट होकर उसका विरोध किया जाएगा।

कचहरी कट के पास मिला लहूलुहान युवक का शव

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस 2 क्षेत्र के कचहरी कट के पास सड़क किनारे एक युवक का लहु लुहान शव पड़ा हुआ मिला। पुलिस दुर्घटना में युवक की मौत होना बता रही है वहीं चर्चा है कि युवक की हत्या कर शव को फेंका गया है।

बीती रात्रि करीब 12 बजे पुलिस को सूचना मिली कि कचहरी कट के पास एक युवक लहु लुहान अवस्था में पड़ा हुआ है। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने युवक को तुरंत भंगेल स्थित सीएचसी पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक के पास से कोई भी ऐसी चीज नहीं मिली जिससे उसकी पहचान हो सके। आज सुबह एक बार फिर पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस को मौके से एक मेमोरी कार्ड मिला। मेमोरी कार्ड में सेव नंबरों पर संपर्क किया गया तो उसकी पहचान गाजियाबाद निवासी आकाश शर्मा के रूप में हुई। पुलिस दुर्घटना में आकाश की मौत होने को कारण बता रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण का पता चल पाएगा।

दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस 2 पुलिस ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी के 112000 व जेवरात बरामद हुए हैं। पकड़े गए दोनों चोरों के दो साथियों को थाना बीटा दो पुलिस पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

थाना प्रभारी विंध्याचल तिवारी ने बताया कि मुखबिर की सूचना के आधार पर प्रशांत व शैलेश को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से 112000 रुपए, सोने की चैन, पेंडेंट, झुमके आदि बरामद हुए हैं। पकड़े गए आरोपियों ने कुछ दिन पहले सेक्टर 81 की एक फैक्ट्री में चोरी की घटना को अंजाम दिया था। इनके दो साथियों को थाना बीटा दो पुलिस द्वारा पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। पकड़े गए आरोपियों ने चोरी की कई घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है।

मीटिंग में बुलाकर कोरियर कंपनी के मालिक से मारपीट

नोएडा (चेतना मंच)। बिजनेस मीटिंग के बहाने कोरियर कंपनी के संचालक को नोएडा बुलाकर उसके साथ मारपीट की गई। मारपीट के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़ित ने थाना बिसरख में मुकदमा दर्ज कराया है। गुड़गांव निवासी राजू कोइराला ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह कोरियर व कार्गो का काम करता है। बीते 10 जुलाई को उसके पास सौरभ नाम के व्यक्ति की कॉल आई उसने अपने आपको धीर मार्केटिंग इंडिया का कर्मचारी बताते हुए कहा कि उनके यहां से काफी सामान की डिलीवरी पूरे इंडिया में होती है। इसके लिए उसने मीटिंग के लिए ग्रेटर नोएडा के सेक्टर ईकोटेक-12 में बुलवाया। सौरभ द्वारा दी गई लोकेशन पर पहुंचते ही उन्होंने उसे कॉल किया कुछ देर बाद उनकी कार को बाइक सवार तीन लड़कों ने घेर लिया और शीशे तोड़ दिए। जैसे ही वह कार से नीचे उतरे तो थार कार में आए तीन अन्य लड़कों ने भी उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। वहां मौजूद लोगों ने किसी तरह बीच-बचाव कराया। इसके बाद वह वापस गुड़गांव चला गया। राजू कोइराला के मुताबिक सौरभ ने इस दौरान उसके मोबाइल फोन पर भेजी गई लोकेशन व चैट डिलीट कर दी। 24 जुलाई को उस नंबर से दोबारा कॉल आई और उसने अपना नाम नितिन नागर बताते हुए खुद को सौरभ का बॉस बताया। नितिन नागर ने धमकी दी कि वह उसके ऑफिस में आकर ही उसे मारेगा। राजू कोइराला के मुताबिक उन्होंने गुड़गांव की एक कंपनी का काम अभी करना शुरू किया है। उन्होंने आशंका जताई कि उक्त कंपनी का काम पूर्व में करने वाले व्यक्ति ने ही उसके साथ मारपीट कराई है।

दुकान के मालिक पर किराएदार ने बोला जानलेवा हमला

नोएडा (चेतना मंच)। गढ़ी चौखंडी गांव में किराने की दुकान चलाने वाले दुकानदार व उसके परिजनों ने मकान मालिक के साथ गाली-गलौज व मारपीट की। दुकानदार का मकान मालिक से किराए तथा उधार के पैसों को लेकर विवाद चल रहा था। पीड़ित मकान मालिक ने दो महिलाओं सहित चार लोगों के खिलाफ थाना फेस-3 में मुकदमा दर्ज कराया है। सेक्टर-70 बसई गांव में रहने वाले गौरव कुमार ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि उनका एक मकान ग्राम गढ़ी चौखंडी में है। जिसकी देखरेख उसके पिता श्रीनिवास करते हैं। उनके गले का ऑपरेशन होने के कारण वह बोलने में असमर्थ हैं। 23 जुलाई को वह गढ़ी गांव में अपने मकान का सबमर्सिबल ठीक कर रहा था इस दौरान उनके मकान में पिछले 5 वर्षों से दुकान चला रहे अमित, अंकित, उनकी मां भारती व बहन अंजलि ने गाली- गलौज शुरू कर दी। उसने जब इस बात का विरोध किया तो अमित व अंकित लोहे की रॉड तथा उसकी मां भारती व बहन अंजलि डंडा लेकर पिता पर टूट पड़े। चारों ने डंडे व लोहे की रॉड से उसके साथ मारपीट की। रॉड लगने के कारण उसका सिर फट गया और वह लहूलुहान हो गया। इस दौरान उसकी सोने की चेन व जेब से 3200 गिर गए। किसी तरह उन लोगों से बचकर बाहर भागे उसके पड़ोसी नितिन ने उसे अपनी बाइक पर बैठ कर थाने पहुंचाया। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। प्रारंभिक पड़ताल में पता चला है कि पीड़ित और किराएदारों के बीच किराए तथा उधर के पैसों को लेकर विवाद चल रहा था। आरोपी अमित ने अपनी बहन अंजलि की शादी में गौरव कुमार के पिता से पैसे उधार लिए थे जिन्हें वह वापस नहीं लौट रहे थे। इस बात को लेकर दोनों पक्षों में तनातनी चल रही थी

एटीएम बूथ पर कार्ड बदला, 2 लाख की लगी चपत

नोएडा (चेतना मंच)। बरौला गांव में पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम से पैसे निकालने गए एक व्यक्ति का एटीएम कार्ड बदलकर जालसाज ने 294000 रूपये निकाल लिए। पीड़ित की शिकायत पर थाना सेक्टर-49 पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

बरौला गांव की नाथू कॉलोनी में रहने वाले मुकेश कुमार ने बताया कि 19 जून की दोपहर को उनका साला दीपू को उन्होंने अपने इंडसइंड बैंक का एटीएम कार्ड देकर पैसे निकालने के लिए भेजा था। दीपू बरौला में स्थित पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम पर पैसे निकालने गया। एटीएम से पैसे ना निकलने पर एक व्यक्ति ने मदद करने के बहाने धोखाधड़ी से उसका एटीएम कार्ड बदल दिया। पैसे ना निकलने पर दीपू घर लौट आया। कुछ देर बाद उनके मोबाइल पर खाते से 2 लाख 94 हजार रुपए निकलने का मैसेज आया। उन्होंने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी और साइबर क्राइम पोर्टल पर भी अपनी शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी अनुज सैनी बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

चतुर्वेदी जी प्रतिभाशाली रचनाकार थे : डॉ अनुज प्रताप

मिर्जापुर (चेतना मंच)। जनपद के वरिष्ठ साहित्यकार स्व.अधिदर्शक चतुर्वेदी के तेरहवीं संस्कार पर 24 जुलाई को पानदरीबा के राजस्थान भवन में आयोजित श्रद्धांजलि भोज कार्यक्रम में नगर के अनेक साहित्यकार व कवि-शायर शामिल हुए।

इस दौरान चतुर्वेदी जी के चित्र पर लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित की और उनकी स्मृतियों को याद किया। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ अनुज प्रताप सिंह ने कहा कि अधिदर्शक चतुर्वेदी प्रतिभा शाली रचनाकार थे। वह नज्म, गजल और वैचारिक कविता के सशक्त कवि थे। उनकी रचनाओं में विस्तार के साथ जीवन्तता झलकती थी। भोलानाथ कुशवाहा ने कहा कि साफगोई उनकी रचनाओं का मूल आधार थी। गणेश गंभीर ने उन्हें विद्रोही कवि बताया। डॉ रमाशंकर शुक्ल ने कहा कि चतुर्वेदी जी का जीवन संघर्ष का था और वही सब उनकी रचनाओं में झलकता है।

लल्लू तिवारी ने कहा कि उनकी कविताएँ जीवन से जुड़ी थीं। अरविंद अवस्थी ने कहा कि अपनी रचनाओं में वह बहुत वैचारिक थे। केदार नाथ सविता ने सच बोलने वाला और कहने वाला कवि बताया।

पृष्ठ एक के शेष....

अग्निपथ का लक्ष्य...

प्रधानमंत्री ने कहा कि कारगिल में हमने केवल युद्ध नहीं जीता था। लेकिन सत्य की भी जीत हुई है। उस समय भारत शांति के लिए कार्य कर रहा था, लेकिन पाकिस्तान ने विश्ववासघात किया। पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी। पाकिस्तान ने अपने इतिहस से कुछ नहीं सीखा। पाकिस्तान आतंकवाद और छद्म युद्ध के सहारे खुद को प्रांसगिक प्रयास कर रह है।

पीएम ने कहा कि आज मैं इस मंच से बोल रहा हूं। यहां से आतंकवाद के आकाओं को मेरी आवाज सीधे सुनाई दे रही है। मैं उन्हें कह देना चाहता हूं कि उनके नापाक मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे। दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। साथियों लद्दाख हो या फिर जम्मू कश्मीर विकास के सामने आ रही हर चुनौती को भारत परास्त करके ही रहेगा।

कुछ ही दिन बाद 370 को निरस्त हुए पांच वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। आज जम्मू कश्मीर नए सपनों की बात कर रहा है। आज जम्मू कश्मीर में जी20 जैसे सम्मेलन आयोजन कर रहा है। दशकों के बाद कश्मीर में सिनेमा घर खुले हैं। तीन दशकों के बाद श्रीनगर में ताजिया निकला है। जम्मू कश्मीर तेजी से शांति और सौहार्द के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

लद्दाख के लोगों के लिए सुविधाएं बढ़ें। इज ऑफ लिविंग बढ़े इसके लिए सरकार प्रयास कर रही है। लद्दाख के बजट को छह हजार करोड़ दिया गया है। करीब छह गुणा बजट में बढ़ोतरी की गई है। लद्दाख में बिजली, पानी और सड़क की सुविधायों को विकसित किया जा रहा है। जल जीवन मिशन की वजह से अब लद्दाख में 90 प्रतिशत घरों में पाइप से पीने का पानी पहुंच रहा है। शिक्षा के लिए सिंधु केंद्रीय विश्वविद्यालय का निर्माण हो रहा है।13 किमी लंबी जोजिला टनल का काम भी जारी है। BRO ने ऐसे लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अभूतपूर्व गति से काम किया है। 330 से ज्यादा प्रोजेक्ट BRO ने पूरे किए हैं। इनमें सेला टनल भी शामिल है।

आज की परिस्थिति अलग है। आज हमारी सेना को हथियारों के साथ ही कार्यशैली में बदलाव करने की जरुरत है। हमारी सेना को हथियारों को उपकरणों के साथ व्यवस्थाओं में भी आधुनिक होना चाहिए। सेना में रिफॉर्म्स को पहले प्राथमिकता बनाया। सेनाएं ज्यादा आत्मनिर्भर हो रही हैं। बीते दस वर्षों में हमने रक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए कई कदम उठाए हैं। रक्षा क्षेत्र में अनुसंधान और विकास के लिए 25 प्रतिशत प्राइवेट क्षेत्र के लिए रखा गया है। कभी भारत की पहचान हथियार मंगाने के तौर पर थी लेकिन अब एक्सपोर्टर के तौर पर अपनी नई पहचान बना रहा है।

सेना ने तय किया है कि पांच हजार चीजें बाहर से नहीं मंगाई जाएंगी। हमारी सेना ने बीते वर्षों में कई साहसिक निर्णय लिए हैं। इसका एक उदाहरण अग्निपथ योजना भी है। अग्निपथ का लक्ष्य सेना को युवा बनाना, निरंतर योग्य बनाना है। सेना को लोगों में राजनीति का अखाड़ा बनाया। सेनाओं को घोटालों से कमजोर किया। अग्निपथ से देश की ताक़त बढ़ेगी। प्राइवेट और पैरा फोर्सेज में अग्निवियों को प्राथमिकता मिलेगी। भारत का युवा मातृभूमि की सेवा के लिए आगे आएगा।

दशकों तक भारत की सेना की उम्र युवा होने पर चर्चा होती रही। लेकिन इस पर कोई समाधान नहीं किया गया। पहले कुछ लोगों का मानना था, सिर्फ नेताओं को सलाम करना। लेकिन हमारे लिए सेना का 140 करोड़ लोगों की आस्था, देशी की सुरक्षा की गारंटी।

अग्नीपथ का लक्ष्य सेनाओं को युद्ध के लिए योग्य बनाए रखना है। विपक्ष भ्रम फैला रहा है कि सरकार इस योजना से पेंशन के पैसे बचा रही है। आरोप लगाए जा रहे हैं कि सेना पेंशन का पैसा बचाने के लिए ये योजना लेकर आई है। लेकिन आज भर्ती हुए सैनिक को तीस साल बाद पेंशन मिलनी है। तब मोदी की उम्र 105 साल होगी। क्या तब भी मोदी सरकार होगी। साथियों मेरे लिए दल नहीं देश सर्वोपरि है। कुछ लोग सेना के इस सुधार पर भी राजनीति कर रहे हैं। ये वही लोग हैं, जिन्होंने हजारों करोड़ के घोटाले करके सेना को कमजोर किया। हमारे लिए राष्ट्र सुरक्षा और शांति पहले है। देश के युवाओं को जो गुमराह कर रहे हैं कि उन्हें सेनाओं के इन लोगों ने वन रैंक वन पेंशन पर झूठ बोला। हमारी सरकार ने इसे लागू किया।

ये वही लोग हैं, जिन्होंने वार मेमोरियल नहीं बनाया। सेना के जवानों को पर्याप्त बुलेट प्रूफ जैकेट भी नहीं दी। ये वही लोग हैं जो कारगिल विजय दिवस को भी नहीं मनाते हैं। कारगिल की विजय किसी सरकार की विजय नहीं थी, ये विजय देश की थी। ये जीत देशी की विरासत है। ये देश के गर्व और स्वाभिमान का पर्व है। मैं एक बार फिर देश के 140 करोड़ देशवासियों के तरफ से नमन करता हूं।

आज देश की सीमाएं...

हमारा जवान किसी भी युद्ध या सीमा की सुरक्षा करते हुए शहीद होता है, तो राज्य सरकार की ओर उसके परिवार को आज 50 लाख रुपए की सहायता दी जा रही है। साथ ही उस परिवार के एक सदस्य की नौकरी भी व्यवस्था सुनिश्चित की है। इसके अलावा 2017 से हमारी सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया कि शहीद होने वाले जवान की स्मृति को आगे बढ़ाने के लिए जिस गांव, नगर, कस्बे का वह जवान होगा, वहां पर एक भव्य स्मारक, इंस्टिट्यूट या किसी मार्ग का नामकरण उस जवान के नाम पर करेंगे। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकसित भारत के संकल्प को इसलिए ही आगे बढ़ा पा रहे हैं क्योंकि आज देश की सीमाएं सुरक्षित हैं।

मोबाइल चोरी करते...

चोरी किया गया मोबाइल फोन भी बरामद हो गया। पकड़े गए अंकित को थाना सेक्टर-39 पुलिस के हवाले कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

पत्नी के मोबाइल...

बुलवाया और उन्हें तमाम बातें बताई। उनकी बहू पूजा ने भी अपने परिजनों के सामने सभी बातें स्वीकार कर ली इसके बाद 30 अप्रैल को पूजा के परिजन उसे अपने साथ ले गए। पूजा के परिजनों ने उनके बेटे पर दवाब बनाया कि वह उसे छोड़ेंगे नहीं। जाते-जाते पूजा भी उनके बेटे को धमकी देकर गई कि वह उसे रोक नहीं पाएगा। मानसिक रूप से परेशान उनके बेटे ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पोस्टमार्टम के बाद उन्होंने अपने बेटे का अंतिम संस्कार कर दिया 30 जून को घर की सफाई करने के दौरान उन्हें एक किताब के नीचे बेटे का सुसाइड नोट मिला जिसमें उसने अपनी आत्महत्या का दोषी अपनी पत्नी व उसके परिजनों को बताया। पीड़ित की शिकायत पर थाना सूरजपुर पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया है पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

महिला की कार...

पीड़िता के मुताबिक कार चालक राकेश शर्मा शराब के नशे में थे। महिला की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर दिया है और जांच पड़ताल कर रही है।

दो भाईयों पर...

की नीयत से गोली चला दी। दोनों भाई किसी तरह गोली लगने से बाल-बाल बच गए। मौके पर लोगों को इकट्ठा होता देखकर आरोपी बाइक व अन्य वाहनों से फरार हो गए। उन्होंने इसकी सूचना डॉयल-112 पर दी। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश की जा रही है।

महिला को बातों में...

इस दौरान बातों-बातों में दोनों युवकों ने उसे सम्मोहित कर दिया। सम्मोहन में वह दोनों के साथ चलकर गौर सिटी मॉल की पार्किंग में पहुंच गई। यहां पर उन लोगों ने उसे सोने की चेन, अंगूठी, दो चूड़ी ले ली और रफू चक्कर हो गए। कुछ देर बाद जब उसे होश आया तो उसके जेवरात गायब थे और दोनों युवक नदारत थे। उसने इसकी सूचना तुरंत डायल-112 पर पुलिस को दी। थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि महिला की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है गौर सिटी मॉल के पार्किंग की सीसीटीवी फुटेज निकाल कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

स्कूटी में टैंपो ने मारी...

गति में आ रहे छोटा हाथी टेंपो के चालक ने स्कूटी में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से स्कूटी पर सवार उसका भाई पत्नी व बच्चे घायल हो गए। हादसे के बाद टेंपो चालक मौके से फरार हो गया। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पीड़ित द्वारा उपलब्ध कराए गए टेंपो के नंबर के आधार पर आरोपी चालक की तलाश की जा रही है।

ओप्पो कंपनी पर....

का भुगतान किया गया। कंपनी पर उनके 11867869 रुपए बकाया है। अपना बकाया पैसे के लिए उन्होंने कंपनी के अधिकारी यांग और डेविड से कई बार मुलाकात की। उन्होंने कंपनी के निर्देशक सोनू राणा से मिलने को कहा। हर बार उसे जल्द पैसे देने का आश्वासन देकर टरका दिया जाता था बीते दिनों आरोपियों ने उसे बकाया पैसे देने से साफ इनकार कर दिया और धमकी दी कि अगर उसने कोई कार्रवाई की तो उसका अपहरण करवा कर उसे जान से मार देंगे। स्थानीय स्तर पर सुनवाई न होने पर अरुण कुमार सिंह ने उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर न्याय की गुहार लगाई। इसके बाद थाना कासना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

मकान मालिक व...

15 दिनों के दौरान कोई भी बाहरी व्यक्ति मकान के अंदर आता हुआ नहीं दिखाई दिया। पीड़िता के मुताबिक वह ग्राउंड फ्लोर पर रहती है जिसमें दो कमरे हैं दूसरे कमरे की चाबी मकान मालिक मनोज शर्मा की पत्नी ममता शर्मा ने उससे ली थी। इसके बावजूद भी उसने दूसरे कमरे के बाहर ताला नहीं लगाया था दूसरे कमरे का दरवाजा अंदर से बंद करने पर भी खिड़की से हाथ डालकर खोला जा सकता है। यह बात सिर्फ मकान मालिक उसके परिवार को ही पता थी। सोनी शर्मा के मुताबिक मनोज शर्मा उनकी पत्नी ममता शर्मा तथा पुत्र नमन शर्मा ने मिलकर उसके कमरे से लाखों रुपए के जेवरात को चोरी किया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

गंगा स्नान कर लौट रहे...

24 जुलाई की सुबह वह मुजेसर से अपने दोस्त अभिपाल उर्फ टीटू के साथ हरिद्वार गंगा नहाने के लिए बुलेट मोटरसाइकिल से निकले थे। हरिद्वार में गंगा स्नान करने के बाद वह शाम को वापस लौट रहे थे। ईस्टर्न पेरिफेरल माइलस्टोन 94/500 के पास अज्ञात वाहन ने उनकी बुलेट मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। इस हादसे में उसके पति मोहित व उनका दोस्त अभिपाल गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास से गुजर रहे राहगीरों ने सड़क हादसे की सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। अनुराधा के मुताबिक इस हादसे में घायल उसके पति अभिपाल की हालत गंभीर बनी हुई है।

थाना दनकौर प्रभारी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे तथा घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाल कर आरोपी वाहन चालक का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

जिला बदर बदमाश...

28 जून को थाना क्षेत्र के एक गांव से नाबालिग किशोरी को भगा ले गया। किशोरी के परिजनों की शिकायत पर उसके खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज किया गया। इस मामले की विवेचना के दौरान आरोपी के खिलाफ बलात्कार व पोक्सो एक्ट की धारा की भी वृद्धि की गई।

थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी पर पुलिस का शिकंजा कसने पर उसने 23 जुलाई को न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। वर्तमान में वह जिला कारागार में निरुद्ध है। आरोपी द्वारा गुंडा अधिनियम का उल्लंघन करने के आरोप में उपनिरीक्षक शोभरन लाल द्वारा मुकदमा दर्ज कराया गया है।

ग्रेटर नोएडा में सक्रिय...

15 जुलाई को बैंक के कर्मचारी उक्त भवन का वेरिफिकेशन करने के लिए मौके पर गए तो पता चला कि उक्त भवन किसी व्यक्ति द्वारा कूट रचित दस्तावेज तैयार करके 14 दिसंबर 2013 को बेच दिया गया है। इस बात की जानकारी जब उन्हें मिली तो उन्होंने अपने स्तर पर जांच पड़ताल की। उन्हें पता चला कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके नाम का फर्जी आधार कार्ड बनाकर उनके मकान को अंकित नागर पुत्र योगेंद्र सिंह निवासी दाउदपुर थाना ईकोटेक प्रथम को बेच दिया है। 6 फरवरी 2024 को अंकित नागर ने उक्त भवन को किसी गीता लूथरा पुत्र सुदेश कुमार लूथरा निवासी गाजियाबाद को विक्रय कर दिया। सब रजिस्ट्रार कार्यालय में जाकर जब उन्होंने अपने मकान के पेपर निकलवाए को पता चला कि रजिस्ट्री में किसी फर्जी ओमप्रकाश का आधार कार्ड और फोटो लगा हुआ है। मकान की दोनों रजिस्ट्री डीड राइटर विनोद कुमार लोहिया एडवोकेट द्वारा की गई है। रजिस्ट्री में गवाह के रूप में विनोद सिंह, रजनीश यादव तथा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के कुछ आधिकारिक कर्मचारियों ने फर्जी ओमप्रकाश के साथ मिलीभगत कर फर्जी रजिस्ट्री करने में सहयोग किया है।

पीड़ित ओमप्रकाश ने बताया कि 16 जुलाई की शाम को उनके मोबाइल फोन पर किसी तेजपाल सिंह का फोन आया उक्त व्यक्ति ने कहा कि उक्त भवन उन्होंने खरीद लिया है। इसके बाद वह ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण कार्यालय पहुंचे और अधिकारियों से मुलाकात की तो पता चला कि कोई दूसरा व्यक्ति ओमप्रकाश बनकर आता था और उनके मकान को वह अपना बताता था। जानकारी करने पर पता चला कि फर्जी ओमप्रकाश का वास्तविक नाम ओमप्रकाश ठक्कर पुत्र हनुमान दास है जिसकी फैक्ट्री नारायण दिल्ली में स्थित है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके भवन की फर्जी रजिस्ट्री करने में डीड राइटर विवेक कुमार लोहिया एडवोकेट, विनोद सिंह, रजनीश सिंह, ओम प्रकाश, तेजपाल सिंह, अंकित नागर तथा सब रजिस्टर कार्यालय एवं ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण कार्यालय के कुछ अधिकारी शामिल हैं। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच पड़ताल कर रही है।

लखनऊवासी को प्रोपर्टी...

कि उसने इस सोसायटी में कई फ्लैट उठा रखे हैं। वह किराए पर भी दे रखे हैं। फ्लैट पसंद आने पर दोनों के बीच 52 लाख में सौदा तय हुआ। श्याम सिंह नागर ने उसे 33 लाख रुपए एडवांस की मांग की। उसे पर भरोसा कर उसने 15 लाख रुपए अपने खाते से डीलर के खाते में ट्रांसफर कर दिए और 18 लाख रुपए नगद दे दिए। शेष धनराशि फ्लैट के बैनामे पर दिए जाने पर सहमति हुई। ओमप्रकाश राय के मुताबिक 33 लाख रुपए लेने के बाद भी डीलर श्याम सिंह नागर उस पर बैनामा किए जाने से पूर्व भी अन्य धनराशि की अदायगी का दवाब बनाने लगा। डीलर द्वारा लगातार पैसे दिए जाने की जिद करने पर उसे शक हुआ और उसने बैनामा कराने को कहा तो वह टालमटोल करने लगा। इस पर उसने अपनी धनराशि वापस मांगी तो उसने जल्द ही फ्लैट देने का आश्वासन दिया। निर्धारित समय बीतने के बाद भी उसके नाम बैनामा नहीं किया और ना ही उसके पैसे लौटाए। उसने जब अपने पैसे वापस मांगे तो डीलर ने उसके साथ गाली गलौज करते हुए धमका कर भगा दिया। पीड़ित ने इस संबंध में 7 मार्च को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय में इसकी शिकायत की थी। जांच के बाद थाना सेक्टर-39 पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया। पुलिस मामले की जांच प्रदान कर रही है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

उत्तराखंड में बारिश जारी, नैनीताल, बागेश्वर, देहरादून में येलो अलर्ट

देहरादून। मानसून आते ही लोगों को गर्मी से तो राहत मिल गई है लेकिन झमाझम बारिश से कई राज्यों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। वहीं देवभूमि उत्तराखंड में भी लगातार बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने देहरादून, नैनीताल और बागेश्वर में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं कुछ जिले ऐसे ही भी हैं, जहां बारिश सामान्य से कम हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले 4-5 दिनों तक पूरे उत्तराखंड में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। गुरुवार को इसकी जानकारी देते हुए विभाग ने कहा कि जून के मुकाबले जुलाई में अच्छी बारिश हो रही है। कुछ जिलों को छोड़कर रोज प्रदेश में सामान्य बारिश हो रही है। पिछले 24 घंटे में मूसलाधार बारिश भी हुई। देहरादून, नैनीताल, बागेश्वर, पौड़ी, चमोली में अच्छी बारिश हुई है। मसूरी में 120मिमी, चमोली और बागेश्वर में 100मिमी, नैनीताल में 70मिमी की बारिश हुई है। प्रदेश में आने वाले सप्ताह में ओवरऑल सामान्य बारिश होने की संभावना है। बता दें कि नैनीताल, बागेश्वर और देहरादून में बीते दिन तेजी बारिश हुई थी। लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है, लेकिन उन्हें सावधान रहने के लिए भी कहा गया है। मौसम विभाग और पुलिस-प्रशासन ने लोगों से नदी के पास नहीं जाने की अपील की है। श्रद्धालु भी चारधाम यात्रा करने पहुंच रहे हैं। प्रशासन ने केदारनाथ धाम में रात में होने वाली यात्रा पर रोक लगा दी है और तीर्थयात्रियों से सतर्क रहने को कहा है।

सेना पर हमले में आतंकियों की मदद करने वाले गिरफ्तार, पूछताछ जारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों के हाथ बड़ी कामयाबी लगी है। जम्मू एवं कश्मीर पुलिस ने गुरुवार को कठुआ आतंकी हमले में जैश-ए-मोहम्मद के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। इन दोनों ने आतंकी हमले में जैश की मदद की थी। पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कठुआ जिले के पहाड़ी इलाके से जैश-ए-मोहम्मद के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया है। इन दोनों के आतंकवादियों को रणनीतिक और रसद पहुंचाने में मदद करने और लोगों की भी गिरफ्तारियां होने की संभावना है। बता दें 10 जुलाई को कठुआ के बदनोटा गांव में सेना के वाहन पर आतंकवादियों के हमले में चार सैनिक और एक पुलिसकर्मी समेत पांच जवान शहीद हो गए थे। जम्मू संभाग के राजौरी, पुंछ, डोडा, कठुआ, रियासी और उधमपुर समेत पहाड़ी जिलों में 40 कट्टर विदेशी आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना है। वहीं, सेना ने आतंकवाद का सफाया करने के लिए चार हजार से ज्यादा सैनिकों को तैनात किया है। यह सभी सैनिक आतंकियों को ढूंढ-ढूंढ कर मार रहे हैं।

बाइक चलाते हुए पीछे बैठे व्यक्ति से की बात, तो कट जाएगा चालान, इस राज्य ने जारी किया नया नियम

नई दिल्ली (एजेंसी) बाइक चलाने के दौरान पीछे बैठे व्यक्ति से बातचीत करना भारत में काफी आम है। बाइक चालक पीछे बैठे व्यक्ति से बात करते हुए लंबा सफर भी तय कर लेता है और पता भी नहीं चलता है। मगर अब भारत के एक राज्य में ऐसा करना दंडनीय अपराध होगा। अगर बाइक चालक पीछे बैठे व्यक्ति से बात करेगा तो उसका चालान काटा जा सकता है बता दें कि कौमुदी ऑनलाइन की रिपोर्ट के अनुसार, केरल में ये नियम लागू हुआ है। केरल मोटर वाहन विभाग (एमवीडी) ने उन दोपहिया वाहन चालकों के लिए एक नया नियम लागू किया है जो अपनी पिछली सीट पर बैठे यात्री से बात करते हैं। निर्देश का उद्देश्य वाहन चलाते समय बातचीत करने जैसी बातों से उत्पन्न जोखिम को उजागर करके सड़क दुर्घटनाओं को कम करना है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एमवीडी ने सभी क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (आरटीओ) को इस नियम को सख्ती से लागू करने के लिए एक परिपत्र भेजा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि संयुक्त परिवहन आयुक्त के. मनोज कुमार ने आरटीओ से आग्रह किया है कि वे इस नए नियम के उल्लंघन के किसी भी मामले में तत्काल कार्रवाई करें। नियम का उल्लंघन करने पर जुर्माना लगाया जाएगा, हालांकि विशिष्ट दंड का खुलासा नहीं किया गया है, रिपोर्ट में कहा गया है कि यात्रियों के साथ बातचीत करने से एकाग्रता प्रभावित हो सकती है, निर्णय लेने में बाधा आ सकती है और प्रतिक्रिया में देरी हो सकती है, जिससे महत्वपूर्ण सड़क स्थितियों और यातायात परिदृश्यों से ध्यान भटक सकता है। इससे दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है, जिसके कारण केरल ने नियम का पालन न करने वाले बाइक चालकों पर जुर्माना लगाने का निर्णय लिया है।

मुंबई में भारी बारिश, एयर इंडिया और इंडिगो की सलाह.....घर से जल्दी निकलें

मुंबई । दिल्ली और मुंबई में गुरुवार को भारी बारिश हुई, जिससे मुंबई के कई इलाकों में जलभराव हो गया। इस बीच, बीएमसी ने कहा कि भारी बारिश के बीच विमान से सफर करने वाले यात्री ट्रैफिक और जलजमाव में ना फंसे इस कारण एयर इंडिया ने ट्वीट कर घर से समय से पहले निकलने को लेकर सलाह दी है। उन्होंने लिखा मुंबई में भारी बारिश के कारण आने-जाने वाली उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। इसके बाद आपकों सलाह दी जाती है कि वे एयरपोर्ट के लिए घर से थोड़ी जल्दी निकलें। क्योंकि स्लो ट्रैफिक और जलभराव के कारण एयरपोर्ट पहुंचने में उन्हें देरी का सामना करना पड़ सकता है। इसके साथ ही एयर इंडिया और इंडिगो ने अपने यात्रियों से ये भी आग्रह किया है कि वे अपनी उड़ानों का शेड्यूल चेक कर लें और मेट्रो शहरों में ट्रैफिक जाम की वजह से एयरपोर्ट के लिए जल्दी निकल जाएं। बता दें कि मुंबई में बारिश जारी है। बारिश के चलते सड़कों पर पानी जमा होने शुरू हो गया है। जिसका असर ट्रैफिक पर भी देखने को मिल रहा है। मुंबई की सड़कों पर गाड़ियां आ जा रही है। लेकिन ट्रैफिक के चलते सड़कों पर जाम लगा है।

मानहानि मामले में राहुल गांधी सुल्तानपुर कोर्ट में होंगे पेश

सुल्तानपुर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मानहानि के एक मामले में 26 जुलाई यानी कल सुल्तानपुर की एमपीएमएलए कोर्ट में पेश होंगे। कांग्रेस की जिला इकाई के अध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने बताया कि राहुल गांधी 26 जुलाई को सुबह 9 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरेंगे। वहां से वह कार से सुल्तानपुर रवाना जाएंगे और कोर्ट में पेश होंगे। बता दें कि बीजेपी के स्थानीय नेता विजय मिश्र ने राहुल गांधी पर बेंगलुरु में 2018 में बीजेपी के तत्कालीन अध्यक्ष और वर्तमान गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए चार अगस्त 2018 को मानहानि का मामला दर्ज कराया था। कोर्ट ने राहुल गांधी को 20 फरवरी को जमानत दी थी। मुकदमा दर्ज कराने वाले विजय मिश्र के वकील का कहना है कि यदि इस मामले में राहुल गांधी के खिलाफ पर्याप्त सबूत मिलते हैं तो राहुल गांधी को दो साल की सजा हो सकती है। हालांकि पिछली सुनवाई में कोर्ट ने राहुल गांधी को जमानत दे दी थी।

जम्मू के सात जिलों में आतंकी हमले बढ़े, लाइन ऑफ कंट्रोल पर मुठभेड़ में एक आतंकी ढेर

श्रीनगर। जम्मू के सात जिलों में आतंकी हमले लगातार बढ़ रहे हैं। इन घटनाओं के बाद अब कश्मीर में भी लाइन ऑफ कंट्रोल से लगे उत्तरी कश्मीर के तीन जिलों में घुसपैठ की सूचना मिली है। इससे निपटने के लिए कुपवाड़ा जिले में मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को ढेर कर दिया। हालांकि इसमें एक जवान भी शहीद हो गया है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि खुफिया इनपुट के बाद सेना और पुलिस ने कुपवाड़ा के कोवुत इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान घुसपैठियों के साथ मुठभेड़ में भारी गोलीबारी हुई। सुरक्षाबलों ने एक घुसपैठिए को मार गिराया। वहीं एक ऑफिसर नायक दिलवर खान घायल हो गया। बाद में खान देश के लिए शहीद हो गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक श्रीनगर स्थित सेना की चिनार कोर के हवाले से बताया कि कुपवाड़ा के कोवुत क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में मिली सूचना पर सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि 24 जुलाई को संदिग्ध गतिविधियां देखी गई और सैनिकों ने उन पर हमला किया। जिसके जवाब में घुसपैठियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। ऑपरेशन जारी है। पिछले कुछ हफ्तों में, उत्तरी कश्मीर के बारामूला और बांदीपोरा जिलों में घुसपैठियों के खिलाफ अभियान चलाए गए हैं। जम्मू में कठुआ, सांबा, उधमपुर, डोडा, रियासी, राजौरी और पुंछ जिलों से घुसपैठ की कोशिशें और हमले हुए हैं। साथ ही भारी मात्रा में हथियार बरामद किए गए हैं। सेना और बीएसएफ के अधिकारियों ने कहा है कि फरवरी 2021 से भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम समझौते के बावजूद लाइन ऑफ कंट्रोल के पार से घुसपैठ की कोशिश लगातार की जा रही है।

...तो खत्म हो जाएंगे हिंदू, झारखंड की हालत पर बोले निशिकांत दुबे, घट रहे आदिवासी, बढ़ रहे मुसलमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। झारखंड से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) तैयार करने का आह्वान करते हुए कहा कि मुस्लिम आबादी तेजी से बढ़ रही है, और यह भी मांग की कि पश्चिम बंगाल के मालदा और मुर्शिदाबाद जिलों को केंद्र शासित प्रदेश बनाया जाए। लोकसभा में शून्यकाल के दौरान बोलते हुए, गोड्डा सांसद ने यह भी कहा कि उनके गृह राज्य में आदिवासी आबादी 10 प्रतिशत कम हो गई है और आदिवासी महिलाएं बांग्लादेशी पुरुषों से शादी कर रही हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ झामुमो 'आदिवासी आबादी में गिरावट' को संबोधित करने के लिए कार्रवाई नहीं कर रहा है।

दुबे ने कहा कि मैं संथाल परगना क्षेत्र से आता हूं - जब 2000 में संथाल परगना बिहार से अलग हो गया और झारखंड का हिस्सा बन गया, तो 2000 में संथाल परगना में आदिवासियों की आबादी 36त्न थी। आज इनकी आबादी 26त्न है। 10त्न आदिवासी कहां गायब हो गये? यह सदन कभी उनकी चिंता नहीं करता, वोट बैंक की राजनीति करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि हमारी राज्य सरकार झामुमो और कांग्रेस इस पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। हमारे राज्यों में बांग्लादेश से घुसपैठ बढ़ रही है।

उन्होंने साफ तौर पर कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठिए आदिवासी महिलाओं से शादी कर रहे हैं... हमारे इलाके में 100 आदिवासी 'मुखिया' हैं लेकिन उनके पति मुस्लिम हैं। पाकुड़ के तारानगर-इलामी और दगापारा में दंगे भड़क उठे, क्योंकि मालदा और मुर्शिदाबाद के लोग हमारे लोगों और हिंदुओं को बाहर कर रहे हैं गांव खाली हो रहे हैं। यह एक गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि मैं यह बात ऑन रिकॉर्ड कह रहा हूं, अगर मैं जो कह रहा हूं वह गलत है तो मैं इस्तीफा देने को तैयार हूं। झारखंड पुलिस कुछ नहीं कर पा रही है। किशनगंज, अररिया, कटिहार, मालदा, मुर्शिदाबाद को केंद्र शासित प्रदेश बनाया जाए, नहीं तो हिंदू गायब हो जाएंगे और एनआरसी लागू करो। और कुछ नहीं तो सदन की एक कमेटी वहां भेज दीजिए और विधि आयोग की 2010 की रिपोर्ट लागू कर दीजिए कि धर्म परिवर्तन और शादी के लिए इजाजत जरूरी है।

बीजेपी सांसद जगदीश शेट्टार ने बाद में कहा कि ममता बनर्जी की उदार नीतियों के कारण, अल्पसंख्यकों के तुष्टीकरण के लिए, वह बांग्लादेश से सभी को अनुमति दे रही हैं। उससे जनसंख्या में अंतर आने लगा। निशिकांत दुबे ने सदन में जो मुद्दा उठाया वह सच है। इसलिए भारत सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए। बीजेपी सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि यह सिर्फ झारखंड या बिहार का मामला नहीं है, छत्तीसगढ़ में भी ऐसा हो रहा है। छत्तीसगढ़ में भी बड़ी संख्या में आदिवासी आबादी है और ट्रायल आबादी में लगातार गिरावट आ रही है उन्होंने कहा कि 'लव जिहाद' वाले लोग आदिवासी लड़कियों से शादी कर रहे हैं, उनकी जमीन, घर और संपत्ति पर कब्जा कर रहे हैं। उनके बच्चे मुसलमान हैं। तो, उन्होंने (निशिकांत दुबे) जो कहा है, वह बिल्कुल सही है। सरकार को ऐसे सभी राज्यों को गंभीरता से लेना चाहिए जहां आदिवासी आबादी है। हमारी मांग है कि धर्म परिवर्तन करने वालों का आरक्षण खत्म किया जाए।

कांग्रेस ने उठाया ग्लोबल वार्मिंग का मुद्दा, खट्टर बोले-मुझे तो मंत्री बने एक ही माह हुआ

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र में कई मुद्दों को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई। इस बीच, कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने बढ़ते तापमान को लेकर सत्तापक्ष से सवाल किया। तिवारी ने लोकसभा में कहा कि रियो डी जेनेरियो में हुए वैश्विक सम्मेलन में यह आम सहमति बनी थी कि ग्लोबल वार्मिंग का स्तर 1.5 डिग्री तक कम किया जाएगा, जो कि औद्योगिक क्रांति के पहले दौर के बराबर होगा। उन्होंने आगे कहा कि अब 1992 से लेकर 2024 तक यह आंकड़ा कई सरकारों के लिए मुश्किल भरा रहा है। मौजूदा आर्थिक सर्वे में एनर्जी ट्रांजिशन को लेकर दो चैप्टर हैं, जिसमें 1.5 डिग्री वाले इस आंकड़े पर सवाल उठाया गया है। क्या सरकार आर्थिक सर्वे में लिखी गई इस बात से सहमत है और अगर सहमत है, तो क्या वह वैश्विक समुदाय के बीच बनी सहमति के खिलाफ जाएगी। तिवारी के इस सवाल का जवाब मनोहर लाल खट्टर ने दिया उन्होंने कहा कि मैं तो एक महीने से ही मंत्री हूं, लेकिन मनीष तिवारी पहले भी मंत्री रह चुके हैं। कुल मिलाकर यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि यह एक वैश्विक चिंता का विषय पिछले कुछ सालों में उभरकर सामने आ रहा है। इससे पहले, 1992 और 1997 में भी इसे लेकर चिंता जताई गई थी। हमने इसे लेकर वैश्विक समुदाय के सामने कुछ कमिटमेंट किए हैं। जिसमें कार्बन उत्सर्जन को 33 से 35 फीसद करने का लक्ष्य था। इस लक्ष्य को हमने पूरा कर लिया है। अब हम उत्सर्जन कम करेंगे और ग्लोबल वार्मिंग को कम करने की दिशा में उचित कदम उठाएंगे।

'कांग्रेस का हाथ, खालिस्तानियों के साथ', अमृतपाल को लेकर चन्नी के बयान पर भड़की बीजेपी

कहा- देशद्रोही जैसा आचरण कर रहे पूर्व सीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने गुरुवार को खालिस्तानी नेता और अलगावावादी अमृतपाल सिंह को जेल में बंद करने को आपातकाल जैसी स्थिति से जोड़कर विवाद पैदा कर दिया। बजट पर लोकसभा में बोलते हुए, चन्नी ने एनडीए के नेतृत्व वाले केंद्र की आलोचना की और कहा कि पंजाब की खडूर साहिब लोकसभा सीट से लगभग 20 लाख लोगों द्वारा एक स्वतंत्र सांसद के रूप में चुने गए वारिस पंजाब दे प्रमुख अपने विचार वह अपने निर्वाचन क्षेत्र के विचार प्रस्तुत नहीं कर सकते क्योंकि उन्हें जेल में बंद कर दिया गया है।

इसी को लेकर अब भाजपा कांग्रेस सांसद पर हमलावर हो गई है। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि एक पूर्व सीएम देशद्रोही जैसा आचरण कर रहे हैं और सदन के माध्यम से पूरे देश को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों पर एनएसए लगाया गया है। उन्होंने कहा कि किसानों के खिलाफ एनएसए लगाया गया है और यह बिल्कुल गलत है। बिट्टू ने आगे कहा कि एक पूर्व सीएम ने देश और पंजाब को तोड़ने की बात कही है। कांग्रेस और राहुल गांधी उनके सामने बैठकर यह बात कहलवा रहे थे। जब हमने उनसे सदन के पटल पर सबूत लाने के लिए कहा, तो वह बैकफुट पर चले गए और उनके पास कोई जवाब नहीं था। उनके कारण कांग्रेस पार्टी और पूरा इंडिया गठबंधन शर्मिंदा है।'

केंद्रीय मंत्री और बीजेपी सांसद गिरिराज सिंह ने कहा कि चन्नी के बयान पर मैं सिर्फ इतना कहूंगा कि इंदिरा गांधी का हत्यारा खालिस्तानी था और कांग्रेस खालिस्तानी का समर्थन कर रही है। वाह रे कांग्रेस, जय चन्नी। यह भारत की संप्रभुता पर हमला है. इस पर कार्रवाई होनी चाहिए...कांग्रेस का हाथ, खालिस्तानियों के साथ।' उन्होंने कहा कि खालिस्तानियों ने इंदिरा गांधी को मारा, अब वही कांग्रेस खालिस्तानियों का समर्थन कर रही है.. जय चन्नी..वाह कांग्रेस। लोकतंत्र के मंदिर 'संसद' में भारत की संप्रभुता पर हमला होते देखिये।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि ये मामला कोर्ट में है। उन पर (अमृतपाल सिंह) गंभीर आरोप हैं। इस बारे में संसद में बात करना ठीक नहीं है। यह लोगों के सामने है कि कांग्रेस ने क्या किया है।' आपातकाल के दौरान वह (चरणजीत सिंह चन्नी) वहां नहीं थे, इसलिए उन्हें नहीं पता था कि तब क्या स्थिति थी। आज वे प्रधानमंत्री पर टिप्पणी करते रहते हैं, क्या आपातकाल के दौरान इंदिरा गांधी पर ऐसी टिप्पणी करना संभव था? केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि जिस व्यक्ति के बारे में वह (चरणजीत सिंह चन्नी) बात कर रहे थे, कोई भी उस विचार का समर्थन नहीं कर सकता। वह जीत गए हैं और अब सदन में हैं, उन्हें बोलने का अधिकार है लेकिन अगर कोई देश के हित के खिलाफ जाएगा तो यह सरकार चुप नहीं बैठेगी।

2000 रुपए का जुर्माना नहीं दे पा रहे हैं उद्धव? अदालत से मांगी 2 दिन की मोहलत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिर्फ चार हरे नोटों की वजह से उद्धव ठाकरे की फजीहत हो गई। अकेले उद्धव ही नहीं उनके करीबी नेता संजय राउत भी एक मामले में फंसे हुए हैं। ये मामला 2 हजार रुपए का है। दरअसल, उद्धव ठाकरे ने कोर्ट से 2 दिन का समय और मांगा ताकी वो दो हजार रुपये जुर्माना राशि को भर सके। उद्धव ठाकरे और संजय राउत के वकील का दावा है कि उन्हें 14 जून को जुर्माने का आदेश मिला। हालांकि अदालत का कैश काउंटर बंद होने की वजह से वो जुर्माना नही दे सके। इसके बाद 10 दिन बीतने तक भी कोर्ट के आदेश का पालन नहीं हो सका। 13 जन को आर्डर होने के बाद 10 दिन का टाइम दिया गया। लेकिन 10 दिन में भी उद्धव ठाकरे की तरफ से जुर्माने की राशी नहीं भरी गई।

मात्र दो हजार रुपए कोर्ट में भरने के लिए कोर्ट से 2 दिन की मोहलत मांगने पर सियासत शुरू हो गई। बीजेपी ने इस मुद्दे को कोर्ट की अवमानना बताया। जबकि शिवसेना उद्धव गुट इस केस में अपने चीफ का बचाव कर रहा है। बीजेपी नेता राम कदम ने कहा कि संविधान के अंदर न्यायपालिका का इस तरह से अपमान किया जाएगा। उद्धव गुट की तरफ से कहा गया कि लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। उस दिन खिड़की दरवाजे बंद हो गए थे। समय बीत गया था और हम बाद में भर देंगे।

बता दें कि उद्धव ठाकरे और राउत अपने पूर्व सहयोगी शिवसेना एकनाथ शिंदे गुट के नेता राहुल शेवाले द्वारा उनके खिलाफ दायर मानहानि की शिकायत का सामना कर रहे हैं। जब मजिस्ट्रेट अदालत ने उनके खिलाफ प्रक्रिया जारी की थी, उन्हें तलब किया था और उन्हें आरोप मुक्त करने से इनकार कर दिया था, तो दोनों ने एक पुनरीक्षण दायर किया था और मुंबई सत्र अदालत में चले गए थे। हालांकि, उन्हें पुनरीक्षण दाखिल करने के लिए नियमों के तहत निर्धारित बाहरी समय सीमा से 84 दिनों की देरी हुई थी। इस प्रकार, देरी को माफ करते हुए, सत्र अदालत ने 13 जून को उन पर 2,000 रुपये का जुर्माना लगाया था। यह पैसा अगले दो दिनों के भीतर जमा करना था। ठाकरे और राउत ने कहा कि उन्हें 14 जून को आदेश मिला और अदालत का केश काउंटर जहां पैसा जमा किया जाना था, अगले दो दिनों के लिए बंद कर दिया गया। उन्होंने कहा कि उन्होंने अगले कुछ दिनों में अपनी पूरी कोशिश की लेकिन प्रक्रिया पूरी करने की औपचारिकताएं पूरी नहीं हो सकीं और 10 दिन की अवधि के बाद, कैश काउंटर पर अधिकारियों ने राशि लेने से इनकार कर दिया। विशेष अदालत 31 जुलाई को दलीलें सुनना जारी रखेगी।

नीतीश पर लालू का हमला... मोदी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया

पटना (एजेंसी) बिहार को विशेष राज्य के दर्जे की मांग पर बहस छिड़ी हुई है। राजद मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का विरोध कर रही है। बजट 2024 पर पूर्व मुख्यमंत्री और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने कहा यह बजट निराशाजनक था। बिहार को विशेष दर्जा न मिलने पर लालू ने कहा मुख्यमंत्री नीतीश ने आत्मसमर्पण कर दिया है। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बजट 2024 में पूरे देश को अनदेखा कर दिया। सिर्फ बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए पैसे आवंटित किए। इसके पीछे मकसद अपनी कुर्सी बचाना है। दरअसल नीतीश ने पीएम मोदी से बिहार को विशेष राज्य दर्जा देने की मांग की थी, लेकिन उन्होंने सिर्फ एक पैकेट थमा दिया है इससे क्या होगा? राबड़ी देवी ने कहा कि बिहार एक गरीब राज्य है। बिहार में ना ही कारखाना है ना कोई कंपनी। इसके बाद गरीबों को रोजगार कैसे मिलेगा? सरकार को उनके लिए कारखाना लगाना चाहिए। उन्हें समय पर मजदूरी मिलनी चाहिए।

स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण हज यात्रा 2024 के दौरान 201 भारतीय तीर्थयात्रियों की मौत हुईः सरकार ने लोकसभा में बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को कहा कि हज यात्रा 2024 के दौरान 200 से अधिक भारतीय तीर्थयात्रियों की मृत्यु हुई, जिनमें से अधिकांश की मृत्यु हृदय-श्वसन और हृदय-फुफ्फुसीय अरेस्ट के कारण हुई। रिजिजू ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, 'भारत सरकार ने हज संचालन के सफल संचालन और भारतीय तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने पर महत्वपूर्ण जोर दिया है।' उन्होंने कहा कि 21 जुलाई 2024 तक, हज यात्रा 2024 के दौरान 201 भारतीय तीर्थयात्रियों की मृत्यु हुई है, जिनमें से अधिकांश की मृत्यु हृदय-श्वसन और हृदय-फुफ्फुसीय अरेस्ट के कारण हुई है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार भारतीय हज यात्रियों के समग्र हज अनुभव को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, 'इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए पिछले कुछ वर्षों में कई प्रगतिशील सुधार किए गए हैं, जिससे हज के अनुभव में गुणात्मक सुधार हुआ है।' रिजिजू ने कहा कि हज 2024 में हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा तीर्थयात्रियों की सहायता के लिए भेजे गए खादिम-उल-हुज्जाज (केयूएच) की संख्या बढ़कर 641 हो गई है, जो पिछले वर्ष की संख्या से दोगुनी से भी अधिक है। उन्होंने कहा, 'यहां तक कि हज प्रबंधन और प्रशासन के लिए भारत सरकार द्वारा तैनात अस्थायी प्रतिनियुक्तिकर्ताओं (प्रशासनिक और चिकित्सा) की संख्या भी हज-2023 के दौरान 461 से बढ़ाकर हज 2024 में 620 कर दी गई है।'

रिजिजू ने कहा कि सऊदी अरब की यात्रा करने वाली 4,558 महिलाओं के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं, जिसमें उन्हें आवास के लिए समर्पित भवन और समर्पित चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गई हैं। गर्म मौसम से निपटने के लिए सऊदी की तैयारी

उन्होंने कहा कि सऊदी अरब की प्रतिकूल और प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों से निपटने के लिए विशेष हस्तक्षेप शुरू किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मक्का में 100 बिस्तरों की क्षमता वाले तीन चिकित्सा केंद्र चालू किए गए हैं, साथ ही 14 चिकित्सा औषधालय, एक कमांड कंट्रोल सेंटर, 20 बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) एम्बुलेंस और 24 घंटे की हेल्पलाइन पूरे हज अवधि के दौरान 24ङ्क7 उपलब्ध कराई गई है।

उत्तर प्रदेश से उत्तराखंड तक में सक्रिय है बांग्लादेशी, रोहिंग्यों को बसाने वाला गैंग

लखनऊ(एजेंसी)। । उत्तर प्रदेश गैर भाजपा दलों की तुष्टिकरण की सियासत के चलते बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों के लिए सबसे सुरक्षित ठिकाना बनता जा रहा है। काफी बड़ी संख्या में अराजक तत्व संगठित अपराध की तरह घुसपैठियों के फर्जी आधार और अन्य जरूरी कागजात तैयार करने का धंधा चला रहे हैं, जिसके बदले में इनको मोटी रकम तो मिलती ही है, इसके अलावा कट्टरपंथी गजवा ए हिन्द का सपना भी देखते हैं। प्रदेश में साल दर साल मुस्लिम घुसपैठियों की तादाद बढ़ती जा रही है। पांच वर्ष पूर्व पुलिस ने प्रदेश में अवैध रूप से निवास कर रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों को चिन्हित करने के लिए सर्वे किया था। तब पुलिस ने अनुमान जताया था कि प्रदेश में 10 लाख से ज्यादा बांग्लादेशी और करीब 3 हजार रोहिंग्या नागरिक अवैध रूप से निवास कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने दावा किया था कि केवल लखनऊ में ही करीब एक लाख बांग्लादेशी नागरिकों ने अपना ठिकाना बना लिया है। लखनऊ के फैजाबाद रोड स्थित अकबरनगर जैसे कई इलाकों इनका जमावाड़ा देखा जा सकता है। यह इलाके पुलिस की जांच में दायरे में भी हैं। हालांकि सर्वे के बाद ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी।

अधिकतर मामलों में पाया गया कि स्थानीय नेताओं ने ही उनके भारतीय नागरिकता के प्रमाण पत्र जैसे जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, राशन कार्ड बनवाने में मदद की थी। इनमें से अधिकतर ने असम के निवासी होने का दावा किया था, जिसकी पड़ताल के लिए पुलिस की टीमें भेजी गई थीं। लखनऊ की तरह ही मुरादाबाद, रामपुर, मुजफ्फरगर, बिजनौर, बरेली जैसे जिलों सहित उत्तराखंड तक भी इन घुसपैठियों की बड़ी तादात पहुंच चुकी हैं, सबके जन्म प्रमाण पत्र से लेकर आधार कार्ड आदि तक बना दिये गये हैं।

ऐसा नहीं है कि यह सब बातें किसी से छिपी हुई हैं, लेकिन तमाम स्वयंसेवी संगठनों के विरोध के बाद भी यह मामला ठंडे बस्ते से बाहर नहीं निकल पाता है। बीते वर्ष एडीजी कानून-व्यवस्था रहे प्रशांत कुमार के निर्देश पर रोहिंग्या नागरिकों की धरपकड़ के लिए कई जिलों में अभियान भी चलाया गया था। रायबरेली में फर्जी प्रमाण पत्र बनने के मामले का खुलासा होने के बाद पूरे प्रदेश में इसकी जांच के आदेश दिए गये हैं। उच्च पदस्थ सूत्रों की मानें तो सभी जिलों के डीएम को जन्म प्रमाण पत्रों की जांच कर रिपोर्ट देने को कहा गया है। वहीं डीजीपी मुख्यालय की ओर से पुलिस को भी जांच में सहयोग करने का आदेश दिया गया है। प्रमाण पत्र बनवाने में पीएफआई के सदस्यों की भूमिका की जांच का जिम्मा एटीएस को सौंपा गया है। बता दें कि रायबरेली में फर्जी प्रमाण पत्र बनने का बड़ा मामला सामने आने के बाद राज्य सरकार ने इसे गंभीरता से लिया है। केरल निवासी पीएफआई के एक सदस्य और कर्नाटक निवासी युवक का जन्म प्रमाण पत्र बनने के मामले की जांच करने दोनों राज्यों की पुलिस रायबरेली पहुंची थी। इसके बाद स्थानीय भाजपा विधायक अशोक कुमार कोरी की शिकायत पर सीडीओ ने जांच कराई तो 20 हजार फर्जी प्रमाणपत्र बनने का खुलासा हुआ। इसके बाद मुकदमा भी दर्ज कराया गया। मामले की जड़े केरल, कर्नाटक,

महाराष्ट्र से जुड़ने के बाद एटीएस को जांच करने के लिए कहा गया है।

सूत्रों की माने तो फर्जीवाड़ा प्रदेश के कई जिलों में चल रहा है। पीएफआई के अलावा कई एनजीओं के भी इसमें शामिल होने की आशंका है। फर्जी प्रमाण पत्र बनवाने के बाद घुसपैठियों को दूसरे राज्यों में भेज दिया जाता है। बीते वर्ष जुलाई में एटीएस ने अवैध रूप से निवास कर रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों की धरपकड़ का अभियान भी चलाया गया था इसमें 74 रोहिंग्या नागरिक पकड़े गए थे। पुलिस व प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार रायबरेली में सर्वाधिक अल्पसंख्यकों के ही फर्जी प्रमाण पत्र बनाए गए हैं। इनमें 2023 में मुंबई में पकड़े गए चार बांग्लादेशियों के नाम भी शामिल हैं।

खास खबर

एथलीटों को शेंगेन क्षेत्र में प्रवेश करने से नहीं रोकेगा: प्रधानमंत्री

रीगा। प्रधान मंत्री इविका सिलिना ने बुधवार को कहा कि लातविया की रूसी ओलंपिक एथलीटों को शेंगेन क्षेत्र में प्रवेश से वंचित करने की कोई योजना नहीं है। राष्ट्रपति एडगर्स रिंकेविक्स के साथ बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए सिलिना ने कहा कि पेरिस ओलंपिक खेलों में रूसी एथलीटों का प्रवेश आयोजकों की जिम्मेदारी है, हालांकि लातविया ने खेलों में रूसी एथलीटों की भागीदारी पर ध्यान आकर्षित किया है। पिछले दिसंबर में, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के कार्यकारी बोर्ड ने सख्त पात्रता शर्तों के तहत पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में व्यक्तिगत तटस्थ एथलीटों (एआईएन) की भागीदारी को मंजूरी दी थी। आईओसी ने तब घोषणा की थी कि एआईएन, रूसी या बेलारूसी पासपोर्ट रखने वाले एथलीट, जिन्होंने खेल के मैदान पर अंतरराष्ट्रीय महासंघों की मौजूदा योग्यता प्रणालियों के माध्यम से अपना स्थान सुरक्षित किया है, उन्हें विशिष्ट शर्तों के बाद पेरिस 2024 में प्रतिस्पर्धा करने के लिए पात्र माना जाएगा।

नेहरा नहीं बनना चाहते भारतीय टीम का कोच

नई दिल्ली। पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा को भी भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच पद के लिए योग्य माना जा रहा था पर उन्होंने आवेदन ही नहीं दिया। वहीं अब नेहरा ने कोच पद के लिए आवेदन नहीं करने का कारण बताया है। नेहरा ने कहा है कि अभी उनके बच्चे छोटे हैं और वह लंबे समय तक घर से बाहर नहीं रह सकते। नेहरा ने माना है कि टीम के नये मुख्य कोच बने गौतम गंभीर के बच्चे भी अभी छोटे हैं पर कहा कि भी की अपनी अपनी सोच और सुविधा होती है। साथ ही कहा कि मैं जो कर रहा हूं और जिस जगह पर हूं उससे खुश हूं। कोच बनकर मैं नौ महीने तक यात्रा करने के लिए मानसिक तौर पर तैयार नहीं हूं। नेहरा अभी गुजरात टाइटंस के कोच हैं। उन्हें कोच रहते टीम पहले ही सत्र में खिताब जीतने में सफल रही। इसके अलावा दूसरे सत्र में टीम उपविजेता रही थी। वह साल 2011 विश्व विजेता भारतीय टीम में भी शामिल रहे थे। आईपीएल में नेहरा के कोचिंग के तरीके को काफी लोकप्रियता मिली है क्योंकि वह शांत रहने के साथ ही खिलाड़ियों पर दबाव डाले बिना उन्हें अपने तरीके से खेलने की आजादी देते हैं।

बिंद्रा को मिला ओलिंपिक ऑर्डर

नई दिल्ली। भारत के पहले ओलंपिक स्वर्ण विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने एक अहम उपलब्धि हासिल की है। अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक समिति (आईओसी) ने ओलिंपिक को आगे बढ़ाने (ओलिंपिक मूवमेंट) में बिंद्रा के विशिष्ट योगदान के लिए उन्हें ओलिंपिक ऑर्डर दिया है। इस अहम उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बिंद्रा की प्रशंसा की प्रशंसा की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बिंद्रा को ओलिंपिक ऑर्डर से सम्मानित किया जाना हर भारतीय के लिए गर्व की बात है। प्रधानमंत्री ने कहा, अभिनव को ओलिंपिक ऑर्डर से सम्मानित किया जाना हर भारतीय के लिए गर्व की बात है। उन्हें बधाई।

सितंबर में ग्रेटर नोएडा में होगा न्यूजीलैंड-अफगानिस्तान टेस्ट

नई दिल्ली। अफगानिस्तान की टीम सितंबर में ग्रेटर नोएडा में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक टेस्ट खेलेगी। न्यूजीलैंड की टीम इस मैच के लिए पहली बार ग्रेटर नोएडा पहुंचेगी जबकि अफगानिस्तान की टीम 4 साल बाद यहां आ रही है। अफगानिस्तान की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ दिल्ली-एनसीआर के ग्रेटर नोएडा में ये मैच खेलेगी। न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान के बीच 9 से 13 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पाथिक स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में एक टेस्ट मैच होगा। इस स्टेडियम में पहले भी अफगानिस्तान की टीम ने खेला है। अफगानिस्तान ने आखिरी बार 2020 में ग्रेटर नोएडा में मैच खेला था। अफगान टीम को भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई ने देश में में अपने मुकाबले खेलने की सुविधा दी है ।

तीरंदाजी टीम साथ भारत करेगा ओलंपिक की शुरुआत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत आखिरकार गुरुवार को अपनी पेरिस ओलंपिक यात्रा की शुरूआत करेगा, जिसमें दीपिका कुमारी और तरुणदीप राय के नेतृत्व वाली तीरंदाजी टीम लेस इनवैलिड्स में रैंकिंग राउंड में पदक के लिए अपना पहला शॉट लगाएगी। लंदन ओलंपिक 2012 के बाद पहली बार, भारत छह तीरंदाजों की अपनी पूरी टीम उतारेगा, जो पुरुष टीम/व्यक्तिगत, महिला टीम/व्यक्तिगत और मिश्रित टीम श्रेणियों में सभी पांच पदक स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेगा। इस ओलंपिक के दौरान भारतीय तीरंदाजी कितनी आगे तक जा सकती है, इसके लिए यह दौर महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि छह तीरंदाजों में से प्रत्येक के लिए 72 तीरों से अधिक का प्रदर्शन व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं के लिए वरीयता निर्धारित करेगा। पुरुष और महिला टीम प्रतियोगिताओं के लिए, रैंकिंग राउंड से शीर्ष चार वरीयता प्राप्त टीमों को सीधे क्वार्टरफाइनल योग्यता मिलेगी और आठवीं से 12वीं वरीयता प्राप्त टीमों के बीच क्वार्टरफाइनल दौर में एक-दूसरे का सामना होगा। रैंकिंग यह भी तय करेगी कि मिश्रित टीम प्रतियोगिता में किसे जगह मिलती है, केवल शीर्ष 16 जोड़ियां ही अगले चरण के लिए क्वालीफाई करेंगी। प्रत्येक देश के लिए एक-एक पुरुष और महिला तीरंदाज को मैदान में उतारने पर, टीम की वरीयता तय करने के लिए पुरुष और महिला वर्ग में शीर्ष स्कोर को जोड़ दिया जाता है।

पेरिस ओलंपिक में नीरज, सिंधु के पास इतिहास रचने का अवसर

पेरिस। गुरुवार से यहां शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक में भी भारत के पास इस बार अपने पदकों का आंकड़ा दो अंकों में हासिल करने का अवसर है। भारत से 117 खिलाड़ियों का दल गया है और उसका लक्ष्य ओलंपिक में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। इस बार भारतीय खिलाड़ियों का प्रयास एक से अधिक स्वर्ण जीतने का रहेगा। इसके अलावा इसमें नीरज चोपड़ा के पास दो स्वर्ण पदक लाने वाला पहला भारतीय खिलाड़ी बनने का अवसर है। नीरज ने इससे पहले हुए टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। एक और जीत से वह दो व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय बन सकते हैं। वहीं बैडमिंटन में पी वी सिंधु पदक की हैट्रिक लगाने का प्रयास करेंगी। ओलंपिक में भारत की ओर से महिला खिलाड़ियों ने अबतक कभी स्वर्ण पदक मेडल नहीं जीता है। ओलंपिक में महिलाओं ने 2 रजत और 6 कांस्य पदक जीते हैं। पेरिस में भारतीय महिला खिलाड़ियों के सामने इस उपलब्धि को हासिल करने का अच्छा अवसर रहेगा। भारत के अभिनव बिंद्रा ने बीजिंग में पुरुष निशानेबाजी के व्यक्तिगत वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। वहीं पेरिस में महिला निशानेबाजों सिफ्ट कौर सामरा और मनु भाकर के पास स्वर्ण जीतने का अवसर है। इसके अलावा निशानेबाजी में भारत के पास पहला मिश्रित टीम पदक लाने का भी मौका होगा। इसमें 10 मीटर एयर राइफल और 10 मीटर एयर पिस्टल दोनों इवेंट में भारतीय खिलाड़ी दावेदार हैं। भारत ने अभी तक मुक्केबाजी में भी कोई स्वर्ण नहीं जीता है। पेरिस में निखत जरीन, लवलीना बोरगोहेन के पास ये उपलब्धि हासिल करने का अवसर है। लवलीना ने टोक्यो में कांस्य पदक जीता था। इसके साथ ही ओलंपिक में पीवी सिंधु, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी, लक्ष्य सेन, एच एस प्रणय जैसे स्टार खिलाड़ी बैडमिंटन में स्वर्ण जीतने का प्रयास करेंगे। सिंधु के पास पदक की हैट्रिक लगाने का मौका है। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने रियो और टोक्यो ओलंपिक में रजत और कांस्य पदक जीते थे।

नीता अंबानी लगातार दूसरी बार आईओसी सदस्य बनीं

एजेंसी

पेरिस। रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक नीता अंबानी लगातार दूसरी बार अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) सदस्य बनी हैं। नीता को पेरिस में सर्वसम्मति से दूसरी बार भारत से आईओसी का सदस्य चुना गया। आईओसी के 142वें सत्र के दौरान हुए मतदान में नीता को पूरे सौ फीसदी मत मिले। नीता के आईओसी में शामिल होने से अब भारतीय खेल संघों को भी वैश्विक स्तर पर सहयोग और समर्थन मिलने लगेगा। वहीं नीता ने दोबार आईओसी सदस्य चुने जाने के बाद कहा, मैं अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सदस्य के रूप में फिर से चुने जाने पर बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूं। मैं आईओसी अध्यक्ष थॉमस बाक और आईओसी में अपने सभी सहयोगियों को मुझ पर भरोसे जताने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। उन्होंने कहा , फिर से सदस्य चुना जाना ना केवल एक व्यक्तिगत मील का पत्थर है बल्कि वैश्विक खेल क्षेत्र में भारत के बढ़ते प्रभाव को भी दिखाता है। मैं हर भारतीय के साथ खुशी और गर्व के इस पल को साझा करती हूं और भारत तथा दुनिया भर में ओलंपिक आंदोलन को मजबूत करने के हमारे प्रयासों को जारी रखने के लिए उत्साहित हूं। गौरतलब है कि नीता को पहली बार 2016 में रियो डि जिनेरियो ओलंपिक खेलों के दौरान इस प्रतिष्ठित संस्था में शामिल किया गया था। वह आईओसी में शामिल होने वाली भारत की पहली महिला हैं। नीता एक प्रतिष्ठित व्यवसायी और समाजसेवी हैं और शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में अहम योगदान दे रही हैं।

चमीरा भारत के खिलाफ टी20 सीरीज से हुए बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रीलंकाई तेज गेंदबाज दुष्मंथा चमीरा फिट नहीं होने के कारण भारत के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज से बाहर हो गये हैं। श्रीलंकाई टीम के मुख्य चयनकर्ता उपुल थरंगा ने कहा है कि चमीरा चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हो गये हैं। साथ ही कहा कि उनका बाहर होना हमारे लिए निराशाजनक हैं। चयनसमिति ने भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए जो टीम घोषित की थी। उसमें ये तेज गेंबाज शामिल था पर सीरीज ठीक होने के ठीक पहले वह चोटिल हो गया है। टी20 सीरीज 27 जुलाई से शुरू हो रही है। दोनों टीमें पहले 3 मैचों की टी20 सीरीज खेलेंगी। इसके बाद अगले माह से ये एकदिवसीय सीरीज खेलेंगी। थरंगा ने बताया कि चमीरा चोट की वजह से आगामी सीरीज से बाहर हो गए हैं। उन्होंने कहा, हमें कल ही उनके चोटिल होने के बारे में पता चला है। साथ ही कहा है कि वे केवल टी20 सीरीज से बाहर हुए हैं या एकदिवसीय सीरीज भी नहीं खेल पाएंगे। इसके बारे में अभी कुछ कहा नहीं जा सकता है। अभी तक इस तेज गेंदबाज के विकल्प की घोषणा नहीं की गयी है। चमीरा वर्तमान समय में श्रीलंकाई टीम के सबसे अच्छे तेज गेंदबाजों में शामिली हैं। उन्होंने अब तक 12 टेस्ट, 52 एकदिवसीय और 55 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। चमीरा पहले भी कई बार चोटिल हुए हैं। इसी कारण वह टी20 विश्व कप से भी बाहर रहे थे।

पाक क्रिकेटर बोला, सिफारिश से कोच बने गंभीर

एजेंसी

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर तनवरी अहमद ने भारतीय क्रिकेट टीम के नये मुख्य कोच गौतम गंभीर पर निशाना साधा है। तनवीर ने आरोप लगाया है कि गंभीर ने फर्जी तरीके से कोच पद हासिल किया है। इस पाक क्रिकेटर नरे सोशल मीडिया पर कहा, वीवीएस लक्ष्मण को भारतीय टीम का मुख्य कोच होना चाहिए था क्यों कि वह भारत की बी टीम के साथ काफी समय से मुख्य कोच के तौर पर काम कर रहे थे पर मुझे लगता है कि गंभीर ने सिफारिश के जरिये से पद हासिल कर लिया। पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर को लगता है कि गंभीर फर्जी तरीके से अपने संपर्कों का इस्तेमाल कर भारतीय टीम के नये कोच बने हैं। तनवीर ने ये भी कहा है कि लक्ष्मण सही मायनों में कोच बनने के अधिकारी थे। तनवीर का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। गंभीर पर इस प्रकार के आरोप लगाने वाले तनवीर का स्वयं का करियर काफी छोटा रहा है। उन्होंने वनडे, टेस्ट और टी20 को मिलाकर 10 से भी कम इंटरनेशनल मैच खेले हैं। वहीं गंभीर अपने करियर के दौरान एक मैच विजेता खिलाड़ी रहे हैं और उनके नाम कई रिकार्ड भी हैं। क्रिकेट से संन्यास के बाद कोचिंग स्टाफ के तौर पर भी गंभीर को काफी सफलताएं मिली है। उनके मेंटोर रहते ही केकेआर ने इस बार आईपीएल खिताब भी जीता।

47वें महाराष्ट्र स्क्वैश ओपन में शानदार प्रदर्शन

पंच संवाददाता

रांची। रांची के क्रॉस कोर्ट के खिलाड़ियों ने 47वें महाराष्ट्र स्क्वैश ओपन में शानदार प्रदर्शन किया। इस टूर्नामेंट में इंडिया के कुल 518 खिलाड़ियों ने भाग लिया था गर्ल्स अंडर 15 वर्गः अध्या बुधिया ने फाइनल मैच में आरिका मिश्रा (महाराष्ट्र) को हराया।अध्ये बुधिया ने इस वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। ब्रिया शर्मा ने तीसरे और चौथे स्थान के मैच में सृष्टि पवार (महाराष्ट्र) को 11-9, 12-10, 11-8 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। बॉयज अंडर 13 वर्गः अद्वित तनेजा ने तीसरे और चौथे स्थान के मैच में अल्लश्चिं (हरियाणा) को 12-10, 6-11, 11-9 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। गर्ल्स अंडर 9 वर्गः अविषा अग्रवाल ने फाइनल मैच में इनाया (राजस्थान) को 11-9, 11-2, 8-11, 11-5 से हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। क्रॉस कोर्ट के कोच पुनीत पारीक, नितेश पाल, उदय चंद्राय, विजय उरांव, और फाउंडर श्वेता बुधिया ने सभी बच्चों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और जीत की बधाई दी। उनकी इस सफलता से पूरे क्लब में खुशी का माहौल है और सभी कोच और प्रशिक्षक बच्चों के भविष्य को लेकर उत्साहित हैं।

आईपीएल फ्रैंचाइजियों ने नीलामी की बढ़ाकर पांच साल रखने को कहा

एजेंसी

मुम्बई। आईपीएल फ्रैंचाइज़ियों ने यहां हुए फीडबैक सत्र में हर पांच साल में बड़ी नीलामी रखने की मांग की है। इसके अलावा चार की जगह छह खिलाड़ियों को रिटेन करने का अधिकार देने की मांग की है। इसके अलावा आठ राइट टू मैच (आरटीएम) काड्र्स का विकल्प दिए जाने को भी कहा है। आईपीएल की एक फ्रैंचाइजी ने कहा कि बड़ी नीलामी की अवधि तीन वर्ष की जगह बढ़ाकर पांच वर्ष कर देनी चाहिये। इसका फायदा बताते हुए फ्रैंचाइजी ने कहा कि इससे युवा खिलाड़ियों को निखारने के लिए पर्याप्त समय मिल पाएगा। फ्रैंचाइजी के अनुसार युवा प्रतिभाओं की खोज और उन्हें तैयार करने में काफी कम का निवेश करना पड़ता है पर हर तीन साल में बड़ी नीलामी होने के कारण तैयार प्रतिभाओं के दूसरी टीमों में जाने का जोखिम बना रहता है। वहीं खिलाड़ी के दूसरी टीम में जाने पर फ्रैंचाइजी को नुकसान होता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले दशक में दो बार ऐसा हुआ है जब आईपीएल की बड़ी नीलामी चार वर्ष के अंतराल पर हुई है। पहली बार ऐसा 2017 में हुआ था, उस वर्ष बड़ी नीलामी 2014 के बाद पहली बार आयोजित हुई थी क्योंकि उस समय चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स दो साल के प्रतिबंध के बाद वापसी कर रहे थे।

प्रो कबड्डी लीग के लिए खिलाड़ियों की नीलामी स्वतंत्रता दिवस पर होगी

एजेंसी

मुंबई। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) 2024 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 15 और 16 अगस्त 2024 को मुंबई में होगी। लीग की यात्रा एक दशक पहले मुंबई में यू मुंबा और जयपुर पिंक पैंथर्स के बीच रोमांचक मैच के साथ शुरू हुई थी। 2 दिसंबर 2023 से 1 मार्च 2024 तक प्रो कबड्डी लीग के दसवें सीजन के सफलतापूर्वक समापन के बाद, लीग 10 सीजन पूरे करने वाली भारत की दूसरी खेल लीग बन गई है। इसके अतिरिक्त, आयोजक मशाल स्पोर्ट्स ने प्रो कबड्डी लीग सीजन 11 से पहले एक नया लोगो जारी किया। लोगो में भारतीय तिरंगे के समान केसरिया और हरे रंग को दिखाया गया है, जो कबड्डी के खेल को देश के गौरवपूर्ण खेल के रूप में चित्रित करता है। प्रो कबड्डी लीग के लीग कमिश्नर अनुपम गोस्वामी ने कहा, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि प्रो कबड्डी सीजन 11 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी इस साल स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित की जा रही है। कई सहस्राब्दियों से भारत का अनोखा और लोकप्रिय खेल रहा कबड्डी को प्रो-कबड्डी में विश्व स्तरीय प्रतिस्पर्धी अनुशासन के रूप में दृढ़ता से प्रदर्शित किया जाता है। यह प्रो कबड्डी के सभी हितधारकों के साथ-साथ अङत्रक्के संरक्षण में देश के कबड्डी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। हम सीजन 11 प्लेयर ऑक्शन में देशभक्ति के उत्साह के साथ इस उपलब्धि का जोरदार जश्न मनाएंगे।

काउंट क्रिकेट में रहाणे ने पहले ही मैच में लगाया अर्धशतक

लंदन। भारतीय टीम से काफी समय से बाहर चल रहे बल्लेबाज आजिंक्य रहाणे आजकल काउंटी क्रिकेट में छाये हुए है। रहाणे ने यहां इंग्लैंड वनडे कप में धमाकेदार प्रदर्शन किया है। इसमें रहाणे ने अपने डेब्यू मैच में ही 60 गेंद में 71 रन बना दिये। उनकी इस आक्रामक पारी की सहायता से लेस्टरशायर की टीम ने 6 विकेट पर 369 रन बनाये। बारिश की बाधा के कारण इस मैच में रहाणे की टीम को डकवर्थ लुइस नियम के तहत ही जीत मिली। रहाणे ने यहां खेली अपनी अर्धशतकीय पारी में कुल 9 चौके लगाए। रहाणे पिछले एक साल से अधिक समय से भारतीय टीम में वापसी का प्रयास कर रहे हैं हालांकि उन्हें

महिला एशिया कप में भारत-पाक के बीच होगा

एजेंसी

दांबुला। महिला एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान की टीमें सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। ऐसे में प्रशंसक अब इन दोनो के बीच खिताबी मुकाबले में टक्कर देखना चाहते हैं। भारतीय टीम का प्रदर्शन अब तक इस टूनार्मेंट में शानदार रहा है और उसने आसानी से सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। वहीं पाक ने मुश्किल से सेमीफाइनल में जगह बनाई है। भारत ने लीग स्तर पर पाकिस्ता को हराया था। वहीं क्रिकेट प्रशंसक इन दोनो टीमों के बीच एक ओर मुकाबला चाहते हैं। दोनों देशों के क्रिकेट प्रशंसक इन दोनो के बीच रोमांचक मुकाबला चाहते हैं। पहला सेमीफाइनल भारत और बांग्लादेश के बीच शुक्रवार को खेला जाएगा। यह मैच दोपहर दो बजे से शुरू होगा जबकि दूसरा सेमीफाइनल शक्रवार को ही पाक और श्रीलंका के बीच शाम 7 बजे खेला जाएगा। ऐसे में अगर सेमीफाइनल में भारत ने बांग्लादेश और पाकिस्तान ने श्रीलंका को हरा दिया तो भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल होगा। इसकी संभावना हालांकि कम है क्योंकि मेजबान श्रीलंका की तुलना में इस बार पाक टीम का प्रदर्शन कमजोर रहा है। ऐसे में पाक टीम के लिए सेमीफाइनल में श्रीलंका को हराना मुश्किल है। भारतीय टीम ने एशिया कप के मौजूदा संस्करण में अपने तीनों लीग मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनायी है जबकि बांग्लादेश को ग्रुप स्टेज में श्रीलंका के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। वहीं श्रीलंका भी इस टूर्नामेंट में अब तक सभी मैच जीता है।

वेस्ट जोन जूनियर हॉकी प्रतियोगिता में छत्तीसगढ ने दर्ज की जीत

एजेंसी

राजनांदगांव। बालिका वर्ग में आज खेले गए एक मैच में हॉकी मध्यप्रदेश ने मेजबान छत्तीसगढ की बालिकाओं को एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में 3-0 गोलो से पराजित किया बालक वर्ग के पहले मैच में हॉकी महाराष्ट्र ने हॉकी गुजरात को एकतरफे मुकाबले में 13-0 गोलो से पराजित किया दुसरे मैच में हॉकी मध्यप्रदेश ने हॉकी राजस्थान को 4-1 गोल से पराजित किया तीसरे मैच में मेजबान छत्तीसगढ ने गोवा को 11-0 गोल से पराजित किया। आज मैच के दौरान ओलंपियन मोहम्मद रियाज, अंसुता लकरा अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाडी,फिरोज अंसारी अध्यक्ष छत्तीसगढ हॉकी व सचिव आयोजन समिति, रमेश डाकलिया, कुतुबुद्धिन सोलंकी,मुस्ताक अली प्रधान (वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी रायपुर) मृणाल चौबे त्रिषि शास्त्री पार्षद नगर निगम राजनांदगांव, सूर्यकांत जैन अध्यक्ष जिला हैण्डबॉल संघ, विजय शर्मा, प्रिंस भाटिया,भुषण सॉव,रामआवतार जोशी,ने खिलाडियों से परिचय प्राप्त किया तथा प्लेयर आफ द मैच के पुरूस्कर वितरित कर खिलाडियों को बधाई व शुभकामनांए दी। अंतर्राष्ट्रीय एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में खेली जा रही द्वितीय वेस्ट जोन जूनियर बालक बालिका हॉकी प्रतियोगिता के पांचवा दिन प्रातः खेले गए बालिका वर्ग के प्रथम मैच में हॉकी मध्यप्रदेश ने मेजबान छत्तीसगढ के मध्य खेला गया इस रोमांचक मुकाबले में हॉकी मध्यप्रदेश ने छत्तीसगढ को 3-0 गोल से पराजित किया इस संघर्षपूर्ण मुकाबले मे दोनो ही टीम ने पहले क्वाटर तक कोई भी गोल नही कर पाई किन्तु हॉकी मध्यप्रदेश के खिलाडियो ने अपने खेल मे परिवर्तन करते हुए मैच के 29वें मिनट में जर्सी क्रमांक 13 काजाल ने गोल करते हुए 1-0 गोलो की बढत बनाई वहीं मैच के 46वें मिनट और मैच के 58वें मिनट में सुजाता जयंत और स्नेहा पटेल ने गोल करते हुए 3-0 गोल से जीत दर्ज की। बालक वर्ग में खेले गए पहले मैच में हॉकी महाराष्ट्र ने हॉकी गुजरात को 13-0 गोल से पराजित कर एक आसान जीत हासिल की हॉकी महाराष्ट्र की ओर से टीक के कप्तान विशाल श्रीधर मानडढे और कार्तिक रमेश पात्रे ने 5-5 गोल किया वहीं अर्जुन संतोष हरगुढे ने 2 गोल और संतोष रमेश बृजदर ने 1 गोल किया बालक वर्ग का खेले गए दुसरे मैच में हॉकी मध्यप्रदेश ने अपने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए हॉकी राजस्थान को 4-1 गोल से पराजित किया मध्यप्रदेश की ओर से मोहम्मद अंश ने 2 गोल शुभन अबिद ने और विशवेश सिंग ठाकुर ने 1-1 गोल किए वहीं राजस्थान की ओर से एक मात्र गोल अभिषेक सिंग ने किया बालक वर्ग में खेले गए आज का तीसरा और अंतिम मैच मेजबान छत्तीसगढ विरूद्ध हॉकी गोवा के मध्य खेला गया जिसमें मेजबान की टीम ने एकतरफे मुकाबले में 11-0 गोलो से पराजित कर एक आसान सी जीत हासिल कि छत्तीसगढ हॉकी ने शुरूवाती समय से आक्रामक पारी खेल का प्रदर्शन किया ।

विंटर गेम्स की मेजबानी मिलने पर जश्न मनाते हुए साल्ट लेक सिटी का एक प्रतिनिधिमण्डल

मेंटल हेल्थ को बूस्ट करने में मददगार है अरोमाथेरेपी

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में फिजिकल हेल्थ खराब होने के साथ ही मेंटल हेल्थ पर भी काफी असर पड़ रहा है। हर दूसरा बंदा काम के बोझ के तले इतना दब गया है कि उसे अपने लिए टाइम ही नहीं है। तनाव के कारण एंग्जाइटी और डिप्रेशन जैसी दिक्कत होने लगी है। लोगों की नींद प्रभावित हो रही है, फोकस करने में परेशानी आती है। अगर आप भी इस तरह की परेशानी होती है तो आप मेंटल हेल्थ को बूस्ट करने के लिए अरोमाथेरेपी का सहारा ले सकते हैं।

क्या होती है अरोमाथेरेपी

अरोमाथेरेपी जैसा की इसके नाम से मालूम चल रहा है अरोमा मतलब खुशबू और थेरेपी मतलब इलाज,खुशबू की मदद से इलाज करने को ही हम अरोमाथेरेपी कहते हैं । यह मानसिक तनाव का इलाज करने का सबसे कारगर तरीका है। एसेंशियल ऑयल्स इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं,यह तेल पौधों,जड़ी बूटियों फूलों,पंखुड़ियों जैसी चीजों से निकाले जाते हैं।

मेंटल हेल्थ को कैसे बूस्ट करता है अरोमाथेरेपी

एक्सपर्ट के मुताबिक लैवेंडर कैमोमाइल जैसे एसेंशियल ऑयल्स में शांत करने वाले गुण होते हैं जो तनाव और चिंता को कम करने में मदद करते हैं,इससे बेहतर नींद को बढ़ावा मिलता है और जब आप सुकून भरी नींद सोते हैं तो इससे मस्तिष्क के सेल्स रिपेयर होते हैं । एसेंशियल ऑयल्स की खुशबू लेने से कोर्टिसोल का स्तर कम हो सकता है,जो तनाव के लिए जिम्मेदार हार्मोन होता है,जब आपका कोर्टिसोल हार्मोनकम होता है तो आपको सुकून भरी नींद आती है इससे मेंटल हेल्थ बूस्ट होता है। एसेंशियल ऑयल्स मूड पर पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं,अवसाद की भावनाओं को कम कर देवदार की लकड़ी और चंदन जैसी सुगंध गहरी, अधिक आरामदायक नींद चक्र को बढ़ावा देकर नींद की गुणवत्ता को बढ़ा सकती है। क्लैरी सेज जैसे एसेंशियल ऑयल नींद को नियंत्रित करने वाले हार्मोन को संतुलित करने में मदद कर सकते हैं जिससे नींद का पैटर्न सही हो जाता है। अच्छी खुशबू वाला कमरा एक शांत और आरामदायक वातावरण बनाता है जिससे आराम करना और नींद आना आसान हो जाता है।

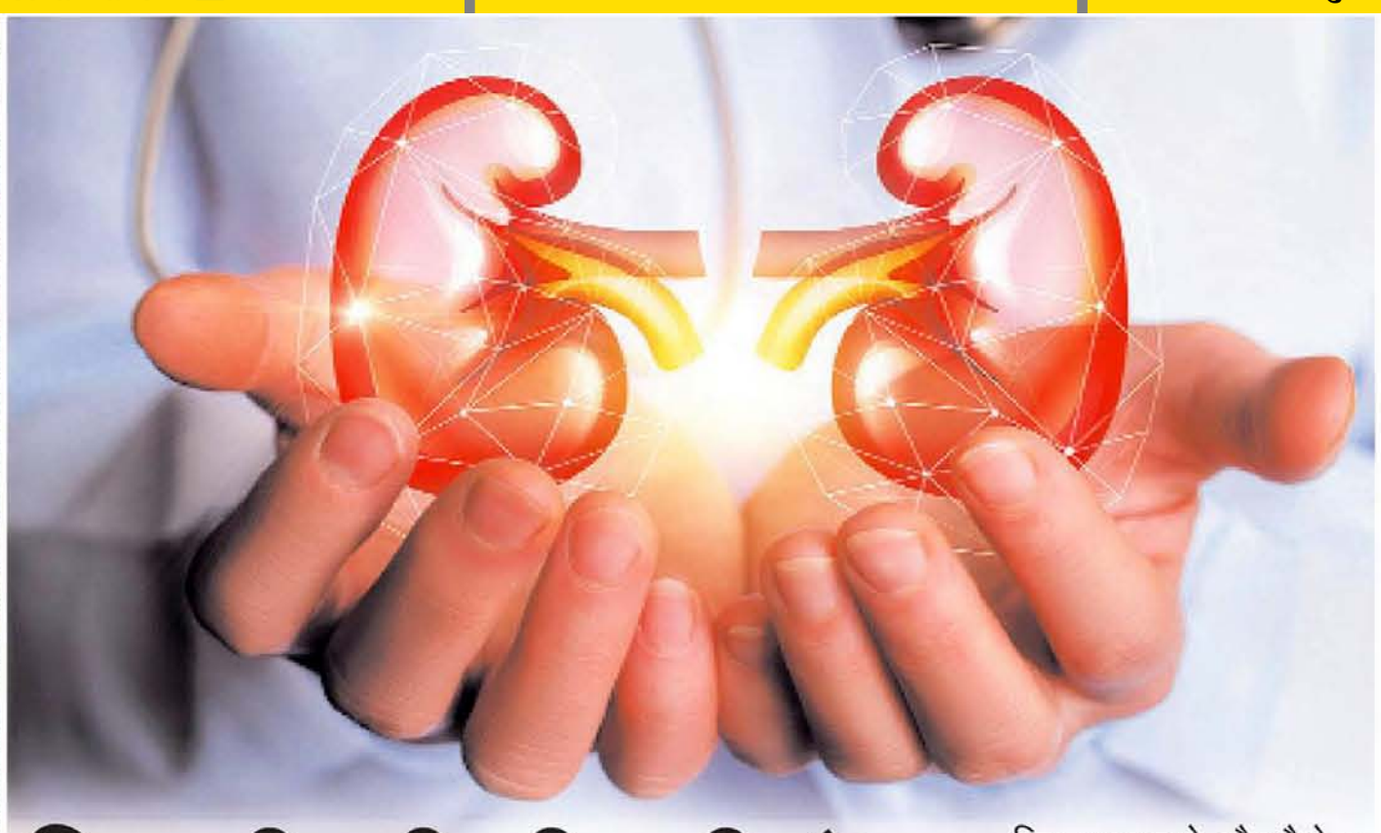

किडनी की बीमारी में आपका शरीर आपको देता है ये संकेत

स्किन और नाखूनों से ये दिखाई देता है कि हमारी किडनी में किस तरह की बीमारी होने जा रही है। आपको ये ध्यान रखना चाहिए कि किडनी के लक्षण काफी गंभीर हो सकते हैं।

हमारा शरीर आने वाले हर खतरे का संकेत पहले से ही देने लगता है। शरीर में अगर कोई बड़ी समस्या होने वाली है तो उससे पहले छोटी-छोटी चीज़ों से हमें कुछ न कुछ संकेत मिलते रहते हैं। शरीर का कोई भी बड़ा ऑर्गेन खराब हो रहा हो तो कई बार हमें स्किन और बालों के जरिए भी उसके संकेत मिलने लगते हैं। ऐसा ही किडनी की बीमारी के साथ भी होता है। किडनी की बीमारी होने से पहले स्किन पर कई तरह के बदलाव देखने को मिलते हैं। यहां सिर्फ बालों का झड़ना या फिर हेयर लाइन शुरू होते ही फ्लेकी स्किन नहीं बल्कि नाखूनों, पैरों, हाथों आदि पर भी असर दिखता है और आपको ये ध्यान रखना चाहिए कि अगर ऐसे कोई लक्षण दिख रहे हैं तो आपको एक्सपर्ट की सलाह लेनी चाहिए। पर आखिर कौन से संकेत हैं जो साफ दिखाई देते हैं।

किडनी की बीमारी के समय शरीर में होती है ये समस्या

स्किन, बाल और नाखून हमारी सेहत को लेकर बहुत ही जरूरी संकेत देते हैं। कोई भी छुपी हुई बीमारी जैसे मालन्यूट्रीशन, माइक्रोन्यूट्रिएंट्स का ओवरडोज, दवाओं का असर या बीमारी आदि के संकेत इन दोनों से मिल जाते हैं। जिन लोगों को किडनी की बीमारी या किडनी फेलियर का रिस्क होता है उन्हें जिंक, कैल्शियम, आयरन, विटामिन क्रजैसे मिनरल्स दिए जाते हैं। जिन मरीज़ों को डायलेसिस की जररूत होती है उन्हें इन मिनरल्स की कमी के लिए रीनल विटामिन्स दिए जाते हैं जिनमें विटामिन क्रकॉम्प्लेक्स के हाई लेवल होते हैं। कैल्शियम और आयरन को बल्ड लेवल में मॉनिटर किया जाता है और अगर ये लेवल कम होते हैं तो सप्लिमेंट्स उसी हिसाब से दिए जाते हैं।

किडनी की बीमारी के कारण स्किन पर दिखते हैं ये असर

किडनी की बीमारी के कारण शरीर में टॉक्सिन्स काफी बढ़ जाते हैं और इसके कारण स्किन में नाइट्रोजन भी बढ़ जाता है। स्किन बहुत ड्राई, खुजली वाली हो जाती है। इसी के साथ, स्किन में क्रैक्स, स्केल्स आदि बनने लगते हैं। स्किन काफी पतली हो जाती है और बहुत आसानी से स्ट्रेच मार्क्स भी आ जाते हैं जो कच्चे होते हैं और खुजली वाले भी होते हैं। इनमें आसानी से ब्लीडिंग होने लगती है। स्किन ज्यादा सफेद दिखने लगती है और इसका रंग भी ग्रे, ब्लू, पर्पल या येलो शेड का हो जाता है। सिस्ट्स और स्पॉट्स भी दिख सकते हैं।

हाथ और पैरों में आ जाती है बहुत ज्यादा सूजन

हाथों और पैरों में सूजन, चेहरे में सूजन, ऐड़ियों में सूजन आना बहुत ही आम लक्षण है जिसे लेकर आपको तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। शरीर से टॉक्सिन्स ठीक तरह से बाहर न निकल पाने के कारण ये होता है और आपको इस बात का ध्यान भी रखना चाहिए कि ऐसा लक्षण गंभीर समस्या की तरफ इशारा करता है इसलिए डॉक्टर से सलाह लें।

किडनी की बीमारी के कारण नाखूनों पर दिखते हैं ये असर

नाखूनों पर भी किडनी की बीमारी का असर साफ दिखाई देता है। सफेद बैंड्स या स्पॉट्स नाखूनों पर बनने लगते हैं और ये कमजोर, कच्चे और फ्लेकी हो जाते हैं। अक्सर ऐसे नाखूनों के बीच में लाइन बनने लगती है। हमारे नाखून कई और बीमारियों के संकेत भी देते हैं और ऐसे में हमें ये ध्यान रखना चाहिए कि हम ऐसे कोई भी लक्षण के दिखने पर डॉक्टर से बात करनी चाहिए।

स्किन पर दाने और रैशेज

जैसा कि हम पहले बता चुके हैं कि किडनी की बीमारी के कारण शरीर में टॉक्सिन बहुत ज्यादा इकट्ठा हो जाता है और ये रैशेज, बंप्स, ब्लीडिंग वाली स्ट्रेचमार्क्स आदि का कारण बनता है ऐसे में आप शरीर में कई तरह के मिनरल्स आदि का टेस्ट करवा सकते हैं। ये सारे लक्षण किसी अन्य वजह से भी हो सकते हैं, लेकिन ऐसा भी हो सकता है कि ये सिर्फ और सिर्फ किडनी के कारण हों। आपको ये ध्यान रखना होगा कि अगर आपको कोई समस्या हो रही है तो एक्सपर्ट की सलाह लेना ही किसी गंभीर रोग से मुक्ति का अच्छा कारण हो सकता है। अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न दिखाएं और डॉक्टर से सलाह लेते रहें।

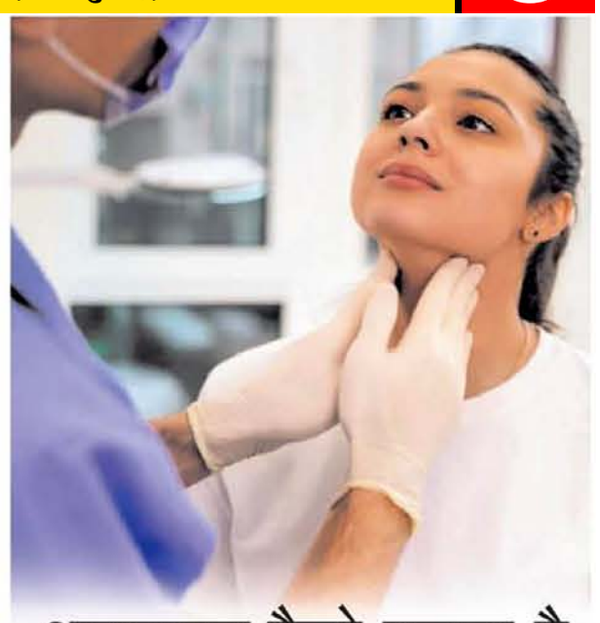

थायराइड कैसे करता है हार्ट हेल्थ को प्रभावित

आजकल थायराइड की बीमारी काफी आम हो चुकी है। थायराइड रोग वह स्थिति है जिसमें थायराइड ग्लैंड शरीर की जरूरत से कम या अधिक हार्मोन का निर्माण करने लगता है जिसके कारण कई सारी समस्याएं पैदा होती है। थायराइड के कारण जहां मोटापा हेयर फॉल , जोड़ों में दर्द जैसी समस्या होती है वहीं यह दिल की सेहत को भी बुरी तरह से प्रभावित करता है। इसको लेकर हमने एक्सपर्ट से बात की है। आइए जानते हैं थायराइड कैसे दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ा देता है।

कैसे करता है हार्ट हेल्थ को प्रभावित

एक्सपर्ट बताती हैं की दोनों ही थायराइड हार्ट हेल्थ को प्रभावित करता है। हाइपोथायरायडिज्म की बात करें तो इसमें थायराइड हार्मोन का लेवल शरीर में कम हो जाता है,इससे थायराइड ग्लैंड का फंक्शन कम होने लगता है,इससे मेटाबॉलिज्म खराब हो जाता है,इससे दिल को नुकसान हो सकता है जैसे इससे हार्ट रेट स्लो हो जाता है,इससे आपको ब्रेडीकार्डिया की स्थिति पैदा हो जाती है। इससे कोलेस्ट्रॉल भी बढ़ सकता है,इसके कारण हृदय का फैलाव हो सकता है। इससे दिल का दौरा पड़ सकता है।थायराइड बढ़ने से हार्ट की धमनियां संकरी होने लगती है,इससे ब्लड का सर्कुलेशन ठीक ढंग से नहीं हो पाता है,लंबे समय तक यह स्थिति बनी रहने पर हार्ट अटैक आने का खतरा बना रहता है। हाइपरथायरायडिज्म में आपका थायराइड ग्लैंड ओवर एक्टिव हो जाता है इससे हाइपर मेटाबॉलिज्म होता है जिससे हार्ट रेट बढ़ सकता है,इससे ट्रैकी कार्डिया की स्थिति पैदा हो सकती है। इस स्थिति में भी हार्ट का फैलाव हो जाता है। ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है और इस तरह से हार्ट को नुकसान पहुंचता है।

क्या आपको भी बार-बार बर्फ खाने का मन करता है हो सकता है इस बीमारी का संकेत

क्या आपको भी हर वक्त कच्चा बर्फ चबाने का दिल करता है। अगर हां तो आपको फौरन डॉक्टर से मिलना चाहिए क्योंकि यह एक गंभीर डिसऑर्डर की तरफ इशारा करता है।

गर्मियों के मौसम में हर किसी को कुछ ना कुछ ठंडा खाने का मन करता है। ठंडा पानी तो हर कोई पीता है, लेकिन आइसक्रीम मिल जाए तो सोने पर सुहागा हो जाता है। गर्मी से राहत पाने के लिए कुछ लोग तो घर में रखे आइस क्यूब भी खाते हैं। लेकिन अगर आप बार-बार कच्ची बर्फ चबाते हैं तो इसे इग्नोर ना करें। दरअसल आपकी यह आदत किसी बीमारी की तरफ इशारा करती है। आइए जानते हैं बार-बार बर्फ खाने का मन क्यों करता है। क्या आपको भी बार-बार बर्फ खाने का मन करता है आपको भी बार-बार बर्फ खाने की क्रेविंग होती है तो शायद आप पिका डिसऑर्डर से पीड़ित हैं। वैसे तो यह बच्चों या गर्भवती महिलाओं में होता है,लेकिन अगर आप में आयरन की कमी हो तो भी आपको इसकी क्रेविंग हो सकती है। एक्सपर्ट बताते हैं कि एनीमिया से पीड़ित लोगों में रेड ब्लड सेल्स की कमी हो जाती है ऐसे में लोगों को बर्फ खाने की इच्छा बढ़ जाती है। वहीं जो लोग मानसिक तनाव से गुजर रहे होते हैं उन्हें भी बर्फ खाने की क्रेविंग होती है। अगर यह क्रेविंग लंबे समय तक बनी हुई है तो आपको तुरंत डॉक्टर से मिलकर इसका इलाज करवाना चाहिए।

क्या हैं इसके नुकसान

- दांतों में दर्द, बर्फ आपके दांत की इनेमल की परत को डैमेज कर सकती है।
- एनीमिया की गंभीर समस्या,इसके कारण हार्ट हेल्थ को नुकसान पहुंचता है।
- पेट में इंफेक्शन और कब्ज की समस्या

छींक क्यों नहीं रोकनी चाहिए

छींक आना नॉर्मल है। लेकिन, अगर आपको बहुत अधिक छींक आती है, तो इसे नजरअंदाज करें। इसके अलावा, अगर आप छींक आते वक्त इसे रोकती हैं, तो इससे भी सेहत को नुकसान हो सकता है।

हमारा शरीर सेहतमंद रहने के लिए कई नेचुरल प्रोसेस को फॉलो करता है। पेट साफ होना, गैस बाहर निकलना, डकार आना और छींक आना समेत कई ऐसी चीजें हैं, जिनका हमारी सेहत से गहरा कनेक्शन है। कई बार, नाक के अंदर डस्ट और पाउडर जैसे पार्टिकल्स चले जाते हैं। इन्हें बाहर निकालने के लिए, छींक आती है। वहीं, सर्दी-जुकाम होने पर भी छींक आती है। हालांकि, अगर आपको अक्सर बहुत अधिक छींक आती हैं, तो इसके पीछे कुछ हेल्थ कंडीशन्स हो सकती हैं। आमतौर पर छींक आना काफी नॉर्मल होता है। कई लोग, छींक आने पर इसे रोक लेते हैं। लेकिन, सेहत के लिहाज से ऐसा करना गलत है। एक्सपर्ट के मुताबिक, अगर आप छींक रोकती हैं, तो इससे स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं। इस बारे में डॉक्टर नीतिका कोहली जानकारी दे रही हैं। वह आयुर्वेद में एमडी हैं। उन्हें इस फील्ड मे लगभग 17 सालों का अनुभव है।

छींक रोकने से सेहत को हो सकता है नुकसान

- दरअसल, हमारी नाक में एक म्यूकस नाम की झिल्ली होती है। इसके टिश्यू या सेल्स पर जब कोई डस्ट पार्टिकल आकर चिपकता है, तो इसे बाहर निकालने के लिए छींक आती है।
- आयुर्वेद में छींक को श्वतु कहा जाता है। इसे अधारणीय वेग कहा जाता है। इसकी गिनती उन वेगों में होती हैं, जिन्हें रोका नहीं जा सकता है और रोकना भी नहीं चाहिए।
- छींक के जरिए, बैक्टीरिया और वायरस नाक से बाहर निकल जाते हैं। इसलिए, यह फायदेमंद होती है।
- छींक रोकना सेहत के लिहाज से सही नहीं है। इससे गर्दन अकड़ सकती है और साइनस की दिक्कत भी हो सकती है।
- अगर आप छींक आने पर इसे रोकने की कोशिश करते हैं, तो इससे फेस की नर्व्स और मसल्स कमजोर हो सकती हैं।
- यह शरीर की सफाई का एक नेचुरल प्रोसेस है। इसलिए, इसे होल्ड नहीं करना चाहिए।
- एक्सपर्ट के मुताबिक, कई बार सोशल एटिकेट्स या अन्य कई वजहों से लोग छींक को रोक लेते हैं। लेकिन, छींक रोकने से फेफड़ों पर दबाव पड़ता है। इससे श्वसन तंत्र पर बुरा असर हो सकता है।
- छींक के जरिए, बाहर निकलने वाली हवा का प्रेशर काफी तेज होता है। इसे रोकने से, आंख, नाक और कान के ब्लड वेसल्स पर असर पड़ सकता है।
- छींक आने पर उसे रोकने की कोशिश न करें। एक्सपर्ट की सलाह पर जरूर ध्यान दें। अगर आपको स्वास्थ्य से जुड़ी कोई समस्या है, तो हमें आर्टिकल के ऊपर दिए गए कमेंट बॉक्स में बताएं। हम अपने आर्टिकल्स के जरिए आपकी समस्या को हल करने की कोशिश करेंगे।

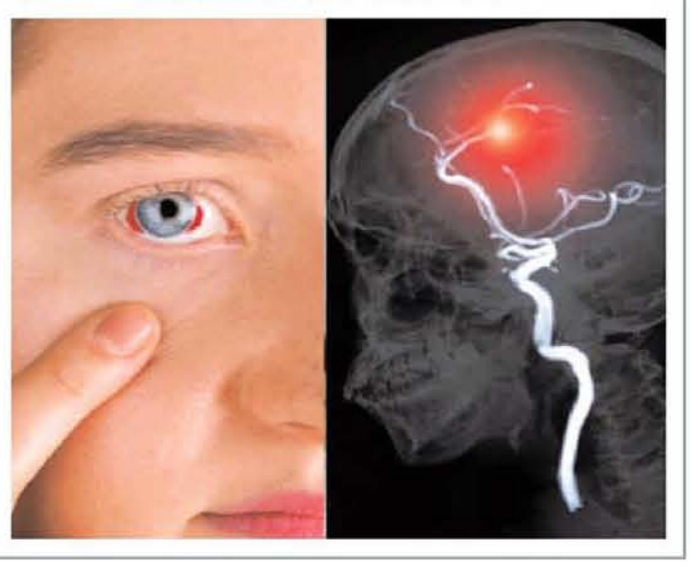

विक्की कौशल की एक्स गर्लफ्रेंड कहे जाने पर बोलीं हरलीन

एक्ट्रेस हरलीन सेठी अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी डेटिंग लाइफ को भी लेकर सुर्खियों में रहती हैं। 2019 में ब्रेकअप से पहले एक्ट्रेस काफी समय तक विक्की कौशल के साथ रिलेशनशिप में थीं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान हरलीन ने विक्की कौशल की एक्स गर्लफ्रेंड कहे जाने पर रिएक्शन दिया है।

एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल का जिक्र करते हुए कहा- मेरे इंस्टाग्राम बायो में दो शब्द हैं, आई एम...आगे कुछ नहीं हैज आई एम का मतलब है कि मैं स्ट्रांग वूमन हूं। मैं बहुत ही मेहनती हूं। मैं खुद को एक्टर भी नहीं मानती। मैं किसी की बेटी हूं, मां हो सकती हूं।

लेकिन मुझे एक्स गर्लफ्रेंड की लेबल से दिक्कत है। लोग पता नहीं क्यों आपको लेबल देने की कोशिश करते हैं। मुझे सामान्य तौर पर किसी भी चीज के साथ अपनी पहचान बनाने में प्रॉब्लम होती है। मैं खुद को किसी के साथ जोड़ना पसंद नहीं करती हूं। हरलीन सेठी ने विक्की कौशल का साथ उनके संघर्ष के दिनों में दिया था। बताया जाता है कि हरलीन और विक्की के बीच मे कटरीना कैफ की वजह से दूरियां आई थी। लेकिन ये सच नहीं है। विक्की अपने करियर में आगे बढ़ रहे थे। हरलीन पीछे रह गई। हरलीन का कहना था कि 'उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक' की सक्सेस के बाद विक्की का बर्ताव काफी बदल गया था। वो उनसे दूर हो गए और उसके बाद उनके पास कभी लौटकर वापस नहीं आए।

हरलीन सेठी की वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में डिज्नी + हॉटस्टार की वेब सीरीज बैड कॉप में नजर आई हैं। इससे पहले वो 'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल'और 'कोहरा' जैसी सीरीज में काम कर चुकी हैं। वहीं, विक्की कौशल की फिल्म 'बैड न्यूज' पिछले दिनों थिएटर में रिलीज हुई है।

आलिया भट्ट की पांच जबर्दस्त फिल्में, जो होंगी सस्पेंस-रोमांस थ्रिलर से भरपूर

आलिया भट्ट बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक हैं। प्रशंसक उनकी हर एक फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार करते हैं। आलिया के पास कई मेगा प्रोजेक्ट की फिल्में हैं, जिनमें कुछ इस साल तो कुछ अगले साल रिलीज होंगी। आलिया की आगामी फिल्मों में आपको एक्शन, ड्रामा, सस्पेंस और थ्रिलर देखने को मिलेगा। देर किस बात की आपको भी बताते हैं आलिया की पांच आने वाली बेहतरीन फिल्मों के बारे में।

वाईआरएफ की स्पाई यूनिवर्स की फिल्म अल्फा में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ एक जासूस के किरदार में नजर आएंगी। यह एक महिला प्रधान फिल्म होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म में बॉबी देओल विलेन के रोल में नजर आ सकते हैं। एक जासूस के किरदार में आलिया को एक्शन करते देखना काफी दिलचस्प होगा। हालांकि, आलिया फिल्म राजी में एक जासूस का किरदार निभाया चुकी हैं। आलिया भट्ट की इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब फैंस सिर्फ और सिर्फ फिल्म के रिलीज होने का इंतजार कर रहें हैं।

हाल ही में जिगरा के सेट से आलिया का एक शानदार लुक सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसे देखने के बाद इस फिल्म को लेकर प्रशंसकों की उत्सुकता और अधिक बढ़ गई है। बता दें आलिया की फिल्म जिगरा इस साल 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म को वासन बाला ने निर्देशित किया है और इसे धर्मा प्रोडक्शन के तहत निर्मित किया गया है। इस फिल्म में आलिया के अलावा आदित्य नंदा और वेदांग रैना नजर आएंगे। संजय लीला भंसाली की आगामी फिल्म बैजू बावरा में आलिया भट्ट लीड रोल में नजर आएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म में आलिया के साथ रणवीर सिंह नजर आएंगे। बैजू बावरा एक रोमांटिक बॉलीवुड ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन संजय लीला भंसाली द्वारा किया जा रहा है। बैजू बावरा एक कलाकार की बदले की कहानी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इंशाल्लाह एक आगामी बॉलीवुड एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन संजय लीला भंसाली कर रहे हैं। फिल्म में सलमान खान मुख्य भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे। सलमान खान के अपोजिट फिल्म में आलिया भट्ट नजर आएंगी, तो वहीं संजय दत्त भी इस फिल्म में अहम किरदार में नजर आ सकते हैं। इस फिल्म में पहली बार आलिया और सलमान की जोड़ी साथ नजर आएगी।

गोलीबारी मामले में बोले सलमान खान

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर दो लोगों ने फायरिंग कर सनसनी मचा दी थी। 14 अप्रैल की इस घटना पर अब अभिनेता का बयान सामने आ गया है। सलमान ने पुलिस को बताया है कि उनका मानना है कि लॉरेंस बिश्नोई गिरोह ने उनके घर पर गोलीबारी की थी। इसके पीछे का उद्देश्य उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को मारना था।

सलमान का बयान आया सामने

अभिनेता का बयान इस घटना के संबंध में मुंबई पुलिस की ओर से अदालत में दायर आरोपपत्र का हिस्सा है। सलमान ने पुलिस को बताया कि 14 अप्रैल की सुबह जब वह गैलेक्सी अपार्टमेंट स्थित अपने घर में सो रहे थे तो उन्हें पटाखे जैसी आवाज सुनाई दी। उन्होंने बताया कि उनकी सुरक्षा में तैनात पुलिस ने सुबह करीब 4.55 बजे उन्हें बताया कि मोटरसाइकिल सवार दो लोगों ने पहली मंजिल की बालकनी पर गोलीबारी की है। सलमान ने अपने बयान में कहा कि पहले भी उन्हें और उनके परिवार को चोट पहुंचाने की कोशिश की गई थी। उन्होंने कहा कि उनके अंगरक्षक ने बांद्रा पुलिस स्टेशन में गोलीबारी के संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। अभिनेता ने बताया कि जनवरी 2024 में दो अज्ञात व्यक्तियों ने फर्जी पहचान का इस्तेमाल कर पनवेल के निकट उनके फार्महाउस में जबरन घुसने की कोशिश की थी।

किल को अपनी शानदार सफलता मानते हैं राघव जुयाल

अभिनेता और डांसर राघव जुयाल टीवी जगत का नामी चेहरा हैं। टीवी के अलावा राघव कई फिल्मों में भी अपना अभिनय प्रदर्शन दिखा चुके हैं। इन दिनों वह अपनी हालिया रिलीज फिल्म किल को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। फिल्म में उनका किरदार दर्शकों को काफी पसंद आया है। वह इन दिनों इसका आनंद उठा रहे हैं।

राघव ने हाल ही में कहा, मैं इस समय का भरपूर आनंद ले रहा हूं। ऐसा लग रहा है कि मैं अभी अपने करियर में बदलाव देख रहा हूं। राघव जुयाल ने किल को कहा, पूरी इंडस्ट्री ने मुझे इसकी सराहना करने के लिए बुलाया है। उन्होंने कहा, अच्छा लग रहा है कि हमारी मेहनत का फल मिल रहा है।

विदेशों से भी निर्माता और निर्देशक मुझे बुला रहे हैं। इस फिल्म से पहले वह सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान में नजर आए थे। अभिनेता ने हाल ही में किल को लेकर कहा, इस फिल्म ने मेरे लिए दरवाजे खोले। मुझे लगता है कि यह मेरी सफलता है। फिल्म रिलीज होने के बाद से यह एक शानदार सफर रहा है।

वास्तविक ड्रामा की अपेक्षा करते हैं दर्शक

अभिनेता ने आगे कहा, कल्कि जैसी 600-700 करोड़ रुपये के बजट वाली फिल्म, जिसमें इतने बड़े सितारे थे, वो हमारे साथ थे। हम एक छोटे बजट के साथ आए थे, लेकिन केवल मुंह से की गई चर्चा के कारण ही लोगों को सिनेमाघरों तक लाने में सक्षम थे। पहले मैंने केवल मुंह से की गई चर्चा के प्रभाव के बारे में सुना था, लेकिन अब मैंने इसका अनुभव किया है। उन्होंने कहा, लोग ऐसी चमक-दमक वाली फिल्में नहीं देखना चाहते, जिसमें हीरो अपनी प्रेमिका के साथ रोमांटिक होता है। उसे बचाता है और दिल जीतता है। दर्शक कहानी और वास्तविक ड्रामा की अपेक्षा करते हैं, सपनों की दुनिया की नहीं।

एक्शन सीन पर बोले राघव जुयाल

किल में चर्चित एक्शन सीन के बारे में बात करते हुए राघव जुयाल ने कहा, हमने बहुत चोट खाई है। हमें नहाते समय चोट के निशानों का एहसास होता था। हमने एक्शन सीन के लिए नौ महीने की ट्रेनिंग ली है, यह एक अद्भुत और मजेदार अनुभव था। एक्शन भी एक मुक्का मारने वाला नहीं था। हमने सुपर वीएफएक्स के साथ रॉ एक्शन किया था।

पति पत्नी और वो के सीक्वल में नजर आएंगे कार्तिक

चंदू चैंपियन के बाद कार्तिक आर्यन एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। दरअसल, अभिनेता अब एक बार फिल्म कॉमेडी फिल्मों से दर्शकों का दिल जीतने की तैयारी में हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वह जल्द ही अपनी ही एक कॉमेडी फिल्म के सीक्वल में नजर आने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो कार्तिक ने साल 2019 की हिट फिल्म पति पत्नी और वो के सीक्वल के लिए हामी भर दी है। अभिनेता की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। दर्शकों को यह फिल्म काफी ज्यादा पसंद आई थी। मीडिया रिपोर्ट में प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र के हवाले से बताया गया है कि सीक्वल की स्क्रिप्ट पहले ही फाइनल हो चुकी है। इसमें यह भी कहा गया है कि कार्तिक एक छोटे शहर के साधारण व्यक्ति की भूमिका निभाने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

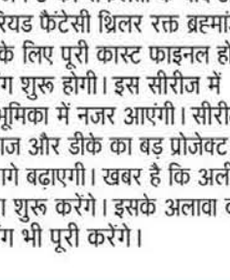

अली फजल के हाथ लगा राज एंड डीके का बड़ा प्रोजेक्ट

अभिनेता अली फजल की हिट वेब सीरीज मिर्जापुर का तीसरा सीजन रिलीज के बाद से ही काफी चर्चा में है। इस सीरीज में अली फजल ने गुड्डू पंडित का किरदार निभाया हैं। उनके इस रोल को दर्शकों ने खूब पसंद किया है। वही, निजी जिंदगी को लेकर भी अली खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। हाल ही में, अभिनेता एक बेटी के पिता बने हैं। अब अली ने सामंथा के साथ एक नए प्रोजेक्ट को लेकर हाथ मिलाया है। मिर्जापुर सीजन 3 की सफलता के बाद अली फजल राज और डीके द्वारा निर्देशित आगामी पीरियड फैंटेसी थ्रिलर रक्त ब्रह्मांड का हिस्सा बनने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। शो के लिए पूरी कास्ट फाइनल हो चुकी है। अगले हफ्ते से मुंबई में सीरीज की शूटिंग शुरू होगी। इस सीरीज में आदित्य रॉय कपूर और वामीका गब्बी भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। सीरीज को लेकर आई खबर के मुताबिक, यह प्रोजेक्ट राज और डीके का बड़ प्रोजेक्ट होने वाला है। यह फैंटेसी ड्रामा की अपनी शैली को आगे बढ़ाएगी। खबर है कि अली फजल अगस्त के महीने से इस सीरीज की शूटिंग शुरू करेंगे। इसके अलावा वह अपने बाकी प्रोजेक्ट्स के बचे शेड्यूल की शूटिंग भी पूरी करेंगे।

22 साल से स्ट्रगल कर रही हूं, कहा- याद नहीं आखिरी हिंदी फिल्म कब ऑफर हुई थी

बॉलीवुड एक्ट्रेस नेहा धूपिया का कहना है कि वो फिल्म इंडस्ट्री में 22 साल से हैं लेकिन अभी तक उनका स्ट्रगल खत्म नहीं हुआ है। नेहा ने एक इंटरव्यू में कहा है कि उन्हें याद नहीं आखिरी बार उन्हें कब कोई हिंदी फिल्म ऑफर हुई थी। नेहा ने ये भी माना कि वो उन एक्ट्रेसेस में नहीं गिनी जाती हैं जिनके होने से किसी फिल्म का बॉक्स-ऑफिस गणित बदल जाए या फिल्म खूब कमाई कर जाए। इंटरव्यू में नेहा बोलीं, मैं 22 साल से अच्छी फिल्म में काम करने के लिए स्ट्रगल कर रही हूं। लोग मेरी फिल्में देखकर तारीफ करते हैं लेकिन काम नहीं देते। लोग मुझसे आकर कहते हैं कि तुमने उस फिल्म में अच्छा काम किया था, हमें उस फिल्म में तुम्हारी एक्टिंग पसंद आई। ये सुनकर मेरे मन में ख्याल आता है कि फिर ये मुझे काम क्यों नहीं देते।

याद नहीं कब हिंदी फिल्म का ऑफर मिला

नेहा ने बॉलीवुड फिल्मों में काम मिलने के बारे में कहा, मुझे याद नहीं कि आखिरी बार किसी हिंदी फिल्म में काम का ऑफर कब मिला था। मुझे लगता है कि इंडस्ट्री काफी मुश्किल वक्त से गुजर रही है। अगर मुझे काम के लिए सबके दरवाजे खटखटाने पड़ें तो इसमें कुछ गलत नहीं है क्योंकि ऐसा करके आप कुछ गलत नहीं कर रहे हैं। जो लोग काम देते हैं दरअसल वो भी स्ट्रगल कर रहे हैं।

नेहा ने बताया कि हाल ही में रिलीज हुई फिल्म बैड न्यूज के लिए उन्हें कोरोना लॉकडाउन के दौरान ऑफर मिला था। नेहा बोलीं, मैं खुश थी कि मेरा फोन बजा क्योंकि किसी फिल्म के ऑफर के लिए ज्यादातर मेरा फोन रिंग नहीं करता है। हां, हाल ही में मैं मुझे साउथ से दो फिल्मों के ऑफर मिले हैं जिसके लिए उन्होंने मुझसे तीन महीने मांगे हैं।

43 साल की नेहा के फिल्मी करियर की बात करें तो उन्होंने 2003 में आई फिल्म कयामत से डेब्यू किया था। इसके बाद वो एक चालीस की लास्ट लोकल, सिंह इज किंग, कयामत, जूली, शीशा और फंस गए रे ओबामा जैसी फिल्मों में दिखाई दी हैं। पिछले कुछ समय में नेहा को फिल्मों में देखा गया है लेकिन उन्हें छोटे-मोटे रोल ही ऑफर होते हैं। फिल्मों में आने से पहले वो मॉडलिंग कर चुकी हैं। 2002 में उन्होंने मिस यूनिवर्स पेजेंट के लिए इंडिया को रिप्रजेंट किया था लेकिन टाइटल नहीं जीत सकी थीं।

विक्की कौशल ने दिया संकेत - कैटरीना के साथ कर रहे हैं फिल्म

अभिनेता विक्की कौशल इन दिनों बैड न्यूज को लेकर चर्चा में बने हुए हैं और वे लगातार फिल्म का प्रचार कर रहे हैं। कैटरीना से शादी के बाद से ही फैंस विक्की को पत्नी के साथ फिल्म में एक साथ काम करते हुए देखना चाहते हैं। अक्सर उनसे कैटरीना के साथ फिल्म करने के बारे में सवाल किए जाते हैं, इस बार भी ऐसा ही हुआ हाल ही में मीडिया से बातचीत में विक्की से यही पूछा गया तो उन्होंने कहा- मुझे उम्मीद है कि मैं और कटरीना जल्द ही किसी फिल्म में नजर आएंगे। हम भी ऐसी ही किसी कहानी की तलाश में हैं, लेकिन हम ऐसी फिल्म नहीं करना चाहते, जो सिर्फ हमें साथ लेकर बनाई जाए। हमारी जोड़ी कहानी की मांग के मुताबिक होनी चाहिए, तभी मजा आएगा। हम इंतजार कर रहे हैं और इसके लिए हमें कोई जल्दी नहीं है।

कैलाश अस्पताल में बाल चिकित्सीय ICU की स्थापना

नोएडा (चेतना मंच)। कैलाश अस्पताल एवं हृदय संस्थान, सैक्टर 27, नोएडा ने इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक के सहयोग से 'एडवांस सुपर स्पेशियलिटी पीडियाट्रिक' पर कार्यशाला का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम का शुभारम्भ कैलाश अस्पताल की अध्यक्ष डॉ. उमा शर्मा, डॉ. कार्तिक शर्मा-प्रबंध निदेशक, डॉ. पल्लवी शर्मा निदेशक, डॉ. रितु बोहरा समूह चिकित्सा निदेशक, डॉ. एच.पी. सिंह एचओडी पीडियाट्रिक, डॉ. विनीत त्यागी सचिव आईएपी यूपी और डॉ. हिमांशु त्यागी सचिव आईएपी नोएडा द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। कैलाश अस्पताल समूह के बाल विभाग के अति विशिष्ट चिकित्सकों द्वारा विभिन्न पहलुओं पर अपने-अपने क्षेत्रों में चिकित्सीय अनुभव एवं केस स्टडी को साझा किया गया।

कैलाश अस्पताल समूह की निदेशक डॉ. पल्लवी शर्मा ने बताया कि कैलाश अस्पताल सदैव समय-समय पर अस्पताल सेवाओं को उन्नत करने का प्रयास करता रहा है। इसी कड़ी में अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नैदानिक सेवाओं के उन्नयन की नीति को ध्यान में रखते हुए कैलाश अस्पताल एवं हृदय संस्थान, सेक्टर 27, नोएडा ने नवीनतम उपकरणों और अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ 22 बिस्तरों वाले उन्नत अति विशिष्ट बाल चिकित्सीय आई.सी.यू. की स्थापना की है।

इस उत्कृष्ट केंद्र में बाल रोग विशेषज्ञ न्यूरोलॉजिस्ट (स्नायु तंत्र), बाल रोग विशेषज्ञ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट (पेट एवं उदर रोग), बाल रोग विशेषज्ञ नेफ्रोलॉजिस्ट (गुर्दा) डायलिसिस की सुविधा सहित, हृदय बाल रोग विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ एंडोक्राइनोलॉजिस्ट (मधुमेह), बाल मनोचिकित्सक और साईकोलॉजिस्ट, बाल शल्य चिकित्सक सहित सभी सुपर स्पेशलिटी की सेवाएं उपलब्ध हैं। हमारे पास अनुभवी बाल रोग विशेषज्ञ, नियोनेटोलॉजिस्ट और बाल गहन चिकित्सक विशेषज्ञ भी हैं। कैलाश अस्पताल गंभीर एवं आपातकालीन रोगों के उपचार के लिए अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है। अब किसी भी बच्चे को गहन चिकित्सीय सेवाओं के अभाव में अन्य केंद्र में रेफर करने की आवश्यकता नहीं होगी। कार्यशाला में 100 से अधिक वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञों ने भाग लिया।

भाजपा विधायक ने जोर-शोर से उठाया किसानों का मुद्दा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा (दादरी) क्षेत्र के विधायक तेजपाल नागर ने किसानों का मुददा जोर-शोर से उठाया है। नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के किसानों का मुद्दा उठाने के साथ-साथ भाजपा विधायक तेजपाल सिंह नागर ने ग्रेटर नोएडा क्षेत्र की तमाम प्रमुख समस्याओं के विषय में भी उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को साथ चर्चा की है।

आपको बता दें कि ग्रेटर नोएडा (दादरी) क्षेत्र के विधायक तेजपाल सिंह नागर ने बृहस्पतिवार को लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट की। इस भेंट में उन्होंने नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के किसानों के विषय में मुख्यमंत्री के साथ चर्चा की। भाजपा विधायक तेजपाल नागर ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कहा कि दादरी विधानसभा क्षेत्र में ग्रेटर नोएडा, नोएडा व यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण आते हैं। इन प्राधिकरणों द्वारा अधिग्रहण से प्रभावित किसानों के परिवारों की सालों पुरानी मांग, भूमि अधिग्रहण के बदले मिलने वाला 10 प्रतिशत विकसित आबादी भूखंड व किसानों का लीज बैंक, नोएडा के किसानों की आबादी व प्लॉट दिए जाने के मुद्दे शासन द्वारा बनाई गई हाई पावर कमेटी के सामने रखे गए हैं।

इसके अलावा कुलेसरा बाया सूरजपुर, दादरी सड़क व दादरी नगर से बिसहाडा एनटीपीसी सड़क, जीटी रोड से छोलस तक सड़क, सेक्टर 168 से कामनगर नदी के पुश्ते पर पक्की सड़क व क्षतिग्रस्त सड़कों के पुनर्निर्माण का मुद्दा भी उन्होंने मुख्यमंत्री के सम्मुख उठाया। भाजपा विधायक तेजपाल नागर ने मुख्यमंत्री योगी के साथ चर्चा के दौरान जारचा में राजकीय महाविद्यालय के निर्माण के लिए धनराशि उपलब्ध कराने के लिए भी मुख्यमंत्री से अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकास से संबंधित तमाम मुद्दों पर गंभीरता के साथ भाजपा विधायक तेजपाल नागर की बात सुनी और उन्हें आश्वासन दिया के किसानों के मसले में जल्द ही समिति अपनी रिपोर्ट देगी और किसानों के हित में उचित निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने विधायक तेजपाल नागर को निर्देश दिए कि वह क्षेत्र में विकास के कार्य हैं उन्हें जल्द से जल्द करवाए ताकि इसका लाभ जनता को मिल सके।

व्यापारियों के साथ हमेशा खड़ी है भाजपा : डा. महेश शर्मा

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल की नव गठित प्रादेशिक टीम का गौतमबुद्धनगर के सांसद डॉ महेश शर्मा ने सेक्टर-27 स्थित कैलाश हॉस्पिटल के सभागार में स्वागत व सम्मान किया।

प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवीण गर्ग ने बताया कि डॉ. महेश शर्मा ने पूरी टीम को अपने ऑफिस में निमंत्रण दिया है। सांसद ने सभी पदाधिकारियों को फूलों का गुलदस्ता व मिठाई खिलाकर सम्मानित किया।

प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने बताया कि 30 जुलाई को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह के लिए डॉक्टर महेश शर्मा ने शुभकामनाएं प्रेषित की। डॉक्टर महेश शर्मा ने व्यापारियों के प्रति समर्पित उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के कार्यकर्ताओं को कहा कि आप हमेशा व्यापारियों के सुख-दुख में खड़े रहते हैं। उन्होंने कहा कि आप हमेशा व्यापारी सेवा में लगे रहे हम आपके साथ है। सम्मान समारोह में प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन, प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल, प्रवीण गर्ग, जिला उद्योग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष अंकित गुप्ता व प्रदेश सचिव शिवा चौहान सम्मिलित हुए।

कारगिल विजय दिवस पर भाजपाईयों ने निकाला मशॉल जुलूस

नोएडा (चेतना मंच)। कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के नेतृत्व में सेक्टर 29 शहीद स्मारक से अम्बेडकर पार्क सेक्टर 37 तक मशॉल जुलूस निकाला गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष शिवबीर भदौरिया तथा विशिष्ट अतिथि भाजपा नोएडा जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता उपस्थित रहे। मशॉल जुलूस का नेतृत्व युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रामनिवास यादव ने किया।

शिववीर भदौरिया ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत संस्कृति, क्षमा और साहस की भूमि है। भारत और भारत का इतिहास दुनिया के लिए सदैव उल्लेखनीय और प्रेरणादायक है। भारतीय सबसे कठिन दौर से गुज़रे हैं और फिर भी अपना गौरव बनाए रखने में कामयाब रहे हैं। हमारे सैनिकों ने कई लड़ाइयां लड़ी हैं और उनमें जीत हासिल की है। ऐसा ही एक यादगार युद्ध है कारगिल।

नोएडा भाजपा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि कैप्टन विक्रम बत्रा जैसे वीर सैनिकों की कहानियां हमें प्रेरित करती हैं। उनकी वीरता और देशप्रेम युवाओं के लिए आदर्श है। कारगिल युद्ध में ऐसे ही कई सैनिक थे जिन्होंने अदम्य साहस दिखाया, जिन्होंने अपने से कहीं ज्यादा मजबूत दुश्मन का सामना किया।

मशॉल जुलूस में प्रदेश उपाध्यक्ष भाजयुमो शिवबीर भदौरिया जिलाध्यक्ष भाजपा मनोज गुप्ता, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रामनिवास यादव, उमेश त्यागी, गणेश जाटव, डिम्पल आनंद, उमेश पहलवान पंकज झा कल्लू सिंह सत्यनारायण महावर प्रदीप चौहान, विपुल शर्मा, नरेंद्र जोगी, सत्यम सिंह, रितेश वर्मा, प्रवीण चौहान, अर्पित मिश्रा, साधना शर्मा, संजय चौधरी, अभिनव चौधरी, उमंग मित्तल, युद्धविर चौहान,चमन आवाना ,दीपक मेहरा, चंचल सिंह, आकाश चौहान, रवि बाल्मीकि, लेखराज ,दिनेश पाल, वीरसिंह यादव, शिवांस श्रीवास्तव ,रिचा सिंह, हर्ष शर्मा, कौशलेंद्र यादव, सचिन पंडित, कालू यादव, कार्तिक शर्मा, रामकिशन यादव आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लोक अदालतों में अध्यक्षों के पदों पर नियुक्ति शुरू

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद गौतमबुद्धनगर सहित 19 जनपदों में स्थायी लोक अदालतों में रिक्त अध्यक्षों के पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई है।

गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव संजय सिंह-प्रथम, एच0जे0एस0 द्वारा बताया गया कि उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 19 जनपदों में स्थायी लोक अदालतों में रिक्त अध्यक्षों के पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारम्भ की गयी है। 19 जनपदों में जनपद गौतम बुद्ध नगर में भी स्थायी लोक अदालत में रिक्त अध्यक्ष के पद पर नियुक्ति की प्रक्रिया सम्मिलित है। उन्होंने बताया कि जनपद गौतमबुद्धनगर में स्थायी लोक अदालत में रिक्त अध्यक्ष के पद पर नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारम्भ है। उक्त पद के लिए आवेदन 31 अगस्त 2024, सांय 5 बजे तक किये जा सकते हैं। इस संबंध में विस्तृत जानकारी जनपद दीवानी न्यायालय की ईमेल आईडी पर प्राप्त की जा सकती हैं।

आदर्श बालक इण्टर कॉलेज में साक्षरता शिविर

नोएडा (चेतना मंच)। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा प्राप्त निर्देशों पर जनपद न्यायधीश, गौतमबुद्धनगर के दिशा-निर्देशन में अपर जिला जज सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर ऋचा उपाध्याय की अध्यक्षता में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन भारतीय आदर्श बालक इण्टर कॉलिज दादरी में छात्रों के मध्य किया गया।

शिविर में अपर जिला जज सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऋचा उपाध्याय द्वारा छात्र व छात्राओं पॉश एक्ट व ज्युविनाईल जस्टिस एक्ट तथा शिक्षा का अधिकार, मुफ्त कानूनी सहायता, भारत के संविधान में दिए गए अधिकार एवं कर्तव्यों के संबंध मे जानकारी उपलब्ध कराई गई है।

शिविर में अपर जिला जज सचिव पूर्णकालिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतम बुद्ध नगर ऋचा उपाध्याय के साथ भारतीय आदर्श बालक इण्टर कॉलेज दादरी की प्रधानाचार्या अमरेश व परा विधिक स्वयं सेवक तथा बालचन्द नागर एवं अधिक संख्या में छात्र व छात्राएं उपस्थित हुये।

किशोरी लापता

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-113 क्षेत्र के सर्फाबाद गांव के पास बने जनता फ्लैट से एक किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। किशोरी के भाई की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

सेक्टर-73 सर्फाबाद गांव के पास बने जनता फ्लैट में रहने वाले विनोद (काल्पनिक नाम) ने पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट बताया कि उनकी (16 वर्षीय) बहन 8 जुलाई को सुबह 8 बजे घर से बाहर गई थी इसके बाद में वापस नहीं लौटी। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला।

थाना प्रभारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी की तलाश की जा रही है।

औद्योगिक सेक्टरों में ट्रिपिंग से उत्पादन प्रभावित

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के औद्योगिक सेक्टरों में हो रही ट्रिपिंग से औद्योगिक इकाईयों में उत्पादन प्रभावित हो रहा है। इस समस्या पर नोएडा के उद्यमियों ने चिंता जताई है।

नोएडा के उद्यमियों की संस्था नोएडा एंटरप्रिन्योर्स एसोसिएशन (एनईए) का एक प्रतिनिधिमण्डल वरि. उपाध्यक्ष हरीश जोनेजा के नेतृत्व में नवनियुक्त अधीक्षण अभियंता, विद्युत नगरीय वितरण मण्डल-प्रथम, विवके कुमार से सैक्टर-18, नौएडा स्थित कार्यालय में मिला।

एन0ई0ए0 के वरि0 उपाध्यक्ष हरीश जोनेजा ने विवेक कुमार को पौधा भेंट कर उनका नौएडा में अधीक्षण अभियंता का पदभार ग्रहण करने पर बधाई दी। हरीश जोनेजा ने अधीक्षण अभियंता को अवगत कराया कि औद्योगिक सैक्टरों में बार-बार ट्रिपिंग हो रही है। जिसके कारण उत्पादन प्रभावित हो रहा है । कई स्थानों पर पेड़ों की टहनियों विद्युत तारों से टकरा रही रही है जिसके कारण दुर्घटना होने का खतरा बना हुआ है। इसलिए मूलभूत सुविधाओं को दुरस्त किया जाए तथा पेड़ों की छटाई करवाई जाए। अधीक्षण अभियंता ने आश्वासन दिया कि बार-बार हो रही ट्रिपिंग को रोकने के लिए हरसंभव प्रयास किये जा रहे है। जहॉ भी विद्युत पोल क्षतिग्रस्त हो चुके हैं उन्हें शीघ्र ही बदल दिया जाएगा तथा जिन स्थानों पर पेड़ों की टहनियॉ विद्युत तारों से टकरा रही है उनकी छटाई करवा दी जाएगी।

प्रतिनिधिमण्डल में एनईए के कोषाध्यक्ष शरद चन्द्र जैन, उपाध्यक्ष आरएम जिंदल, उपाध्यक्ष मोहन सिंह, सुभाष जावा, सचिव राहुल नैययर, सचिव विरेन्द्र नरूला, सचिव राजन खुराना, सह कोषाध्यक्ष संदीप विरमानी एवं असीम जगिया शामिल थे।